डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

मीडिया दृष्टिकोण

वर्ष : 10 > अंक : 03 > मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

हिलव्यू समाचार

ddd
-शालिनी श्रीवास्तव

website: www.hsnews.in

साप्ताहिक समाचार पत्र

जयपुर, शुक्रवार, 07 जुलाई 2023

शांति धारिवाल यूडीएच मंत्री अनभिज्ञ नहीं हैं इन अतिक्रमणों व अवैध निर्माणों से फिर क्यों ठोस व सख़्त कार्यवाही नहीं करते अतिक्रमणकारियों, अवैध निर्माणकर्ताओं एवं भूमाफ़ियाओं के ख़िलाफ़?

बन्नूवाल कमेटी की करोड़ों की ज़मीन पंचवटी सर्कल से आख़िर कहाँ हो गयी ग़ायब?

- **तात्कालिन सरकार द्वारा राजापार्क में बन्नूवाल कमेटी को अनुदानित करोड़ों की ज़मीन भूमाफ़ियाओं की फ़र्ज़ी रजिस्ट्रियों व किरायनामों में है क़ैद**
- **भूमाफ़ियाओं की यह गैंग फ़र्ज़ी स्टॉम्प, फ़र्ज़ी बेचानपत्र ,फ़र्ज़ी किरायेनामों व खाईवाली के धंधे में भी ज़बरदस्त रूप से हैं सक्रिय**
- **बन्नूवाल कमेटी के एक सदस्य का पोता जितेंद्र गुलाटी भी अब भूमाफ़िया गैंग में शामिल जबकि किसी भी रूप में जितेंद्र गुलाटी वारिस नहीं है। बन्नूवाल कमेटी की ज़मीन का।**

गहलोत सरकार की नाक के नीचे मालवीयनगर विधानसभा के विधायक कालीचरण सर्राफ़ (बीजेपी नेता) बने मसीहा पंचवटी सर्कल राजापार्क भूमाफ़िया गैंग के।

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। सरकार द्वारा अनुदान में दी गयी ज़मीन चाहे किसी संस्था को,समाज को, किसी संघ को, किसी भी वर्ग समूह को या विभाग को अलॉट की गई हो, यदि सम्बंधित समूह,संघ,संस्था द्वारा ज़मीन का समय पर सदुपयोग न हो तो वह ज़मीन लावारिस नहीं हो जाती बल्कि सबंधित वर्ग का अस्तित्व ख़त्म होने पर सरकार की अनुदानित ज़मीन या सरकारी कोई भी अनुदानित चल-अचल संपत्ति पुनः सरकारी संपत्ति में निहित हो जाती है।

ऐसे में यह पंचवटी सर्कल राजापार्क की यह ज़मीन तात्कालीन सरकार द्वारा बन्नूवाल कमेटी को अनुदान में दी गयी थी लेकिन बन्नूवाल संस्था के मूल सदस्य दुनिया में नहीं रहे और अफ़सोस की ज़मीन का बन्नूवाल संस्था द्वारा कोई सदुपयोग नहीं हो पाया तो यह ज़मीन पुनः सरकारी संपत्ति में निहित होनी चाहिए थी लेकिन हत्थे चढ़ गई भूमाफ़ियाओं के।

मुख्य बात यह भी कि किसी भी संस्था के सदस्यों के परिवार के सदस्य अनुदानित ज़मीन के उत्तराधिकारी नहीं हो सकते। सरकार द्वारा अनुदानित ज़मीन अगर प्रयोजनार्थ काम न आकर लावारिस पड़ी रह जाये तो इस ज़मीन की मालिक सरकार या सबंधित निकाय या विभाग ही होता है न कि भूमाफ़िया गैंग हो जाती है।

बनवारीलाल शर्मा का कब्जा सरकारी स्कूल की ज़मीन पर।

बन्नूवाल कमेटी की ज़मीन पर चलते अवैध ढाबे और फ़र्ज़ी किरायेनामों से लाखों का किराया वसूल रहे भूमाफ़िया।

सरकारी स्कूल की ज़मीन पर अवैध दुकानों का अवैध निर्माण और फ़र्ज़ी किरायेनामों पर लाखों की किराया वसूली

भूमाफ़ियाओं द्वारा जितेंद्र गुलाटी को बनाकर दिया गया अवैध शोरूम जिसका 80-90 हज़ार अवैध किराया भी शुरू हो गया है

भूमाफ़ियाओं से समझौते में इसी ज़मीन पर 50-60 लाख का अवैध शोरूम व जगह पाकर विरोध के झंडे गाड़ने वाला जितेंद्र गुलाटी भी हुआ शांत और अब उस अवैध शो रूम को यू एंड मी रेस्टोरेंट को किराए पर देकर वसूल रहा 80-90 हज़ार का किराया हर माह।

राजस्थान की नगरीय क्षेत्रों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए भूमि आवंटन नीति 2015 के अनुसार

संस्थाओं को रियायती दर या अनुदान में आवंटित भूमि का उपयोग पब्लिक चैरिटेबल या सामाजिक उद्देश्य के लिए ही किया जा सकता है।

जिस उद्देश्य से संस्था या समूह वर्ग को भूमि आवंटित की गई है उस भूमि पर वह उद्देश्य नहीं होना पाया जाता है तो संबंधित निकाय, नगर निगम,संबंधित प्रशासनिक विभाग द्वारा संस्था या वर्ग समूह को एक माह का नोटिस देकर व सुनवाई कर यह भूमि आवंटन रदद् किया जा सकता है।

जिन प्रयोजन के लिए भूमि आवंटित की गई है उसके अतिरिक्त भूमि का कोई भी अन्य उपयोग नहीं किया जा सकता यदि भूमि का अन्य उपयोग हुआ तो संस्था को मिली हुई जमीन निरस्त होकर स्वतः राजस्थान सरकार के निहित चली जाएगी

संस्था के अस्तित्व में नहीं होने पर,संस्था में कोई भी सदस्य के जीवित नहीं रहने पर आवंटित भूमि व उस पर किए गए निर्माण बिना मुआवजे के संबंधित स्थानीय निकाय या विभाग में स्वतः ही समाहित हो जाएंगे

आवंटित भूमि के किसी भी भाग को किसी अन्य को हस्तांतरण करना अवैध व शून्य माना जायेगा और भूमि आवंटन निरस्त किया जा सकता है।

आख़िर पंचवटी सर्कल की सरकारी ज़मीनों व संस्थाओं को अनुदान में मिली ज़मीनों से क्या रिश्ता है निम्न लोगों का

1.हरभजन सिंह (बबला) का ?
2.देवेंद्र सिंह उर्फ़ शंटी का (पूर्व पार्षद)?
3.बलदेव सिंह का (पूर्व पार्षद)?
4.भूपेंद्र सिंह का (पप्पी) ?
5.सुभाष महला का?
6.नसीम पहलवान का?
7.रोबिन सिंह का ? (पूर्व चैयरमैन नगर निगम)
8.तुलसी खाईवाल का?
9.बनवारीलाल शर्मा का?

उपरोक्त प्रश्न का जवाब दें निम्न विभाग के ज़िम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधि-

1.स्वायत्त शासन विभाग?
2.सहकारिता विभाग?
3.मेयर नगर निगम ग्रेटर जयपुर
4.आयुक्त नगर निगम ग्रेटर,जयपुर
4.निदेशक शिक्षा विभाग
5.उपायुक्त मालवीयनगर जोन नगर निगम ग्रेटर
6.क्षेत्रीय विधायक कालीचरण सर्राफ़
7.क्षेत्रीय वार्ड 149 पार्षद स्वाति परनामी
9.क्षेत्रीय थाना इंचार्ज

सत्ता में कांग्रेस का राज फिर भी भारतीय जनता पार्टी से मेयर बनी सौम्या गुर्जर ने पंचवटी सर्कल की ज़मीन का मुद्दा हिलव्यू समाचार द्वारा संज्ञान में आते ही सख़्ती से उठाया इस मामले को और जाँचकर जवाब देने के आदेश दिए हैं उपायुक्त मालवीयनगर जोन को।

ख़बर-बेख़बर

क्या नगर निगम और इनकमटैक्स विभाग सो रहा है कुम्भकर्णी नींद

बेख़बर या पूरी तरह से हैं बाख़बर दोनों विभाग

तिलक मार्केट पार्क के कॉर्नर पर माखन सिंह दा ढाबा जल्द बनाएगा एलबीएस कॉलेज के सामने शानदार बहुमंज़िला ढाबा

आख़िर निगम की परमिशन क्यों नहीं लेते बिल्डर्स और व्यवसायिक

तिलक मार्केट पार्क के कॉर्नर पर कमर्शियल निर्माण बिना किसी परमिशन के शुरू

कार्यालय संवाददाता

हिलव्यू समाचार जयपुर। मालवीय नगर जोन क्षेत्र में लगातार आवासीय भूखण्ड पर व्यवसायिक निर्माण देखे जा सकते हैं। निगम अधिकारियों व कर्मचारियों की आँखों में धूल झौंककर बिल्डर ही नहीं बिजनेसमेन्स के भी हौसले बुलंद होते नज़र आ रहे हैं।

आवासीय भूखण्डों पर बहुमंज़िला कॉम्प्लेक्स बन रहे हैं। करोड़ों के शो रूम्स बिना परमिशन ज़ीरो सेटबैक पर बनते जा रहे हैं।ढाबा संचालक फायर एनओसी लेना जरूरी नहीं समझते।अधिकाँश ढाबों,होटल्स,कैफ़े के पास फ़ूड लाइसेंस नहीं है। निगम से शॉप एक्ट लाइसेंस नहीं है। बिना सरकारी रेवेन्यू चुकाए,इनकमटैक्स की चोरी करके ये बिल्डर और व्यवसायी करोड़पति अरबपति बन रहे हैं क्योंकि 70% प्रतिशत कैश ब्लैक मनी व एक नंबर में डीएलसी रेट अनुसार 30% राशि चेक से लेते हैं इस तरह लाखों करोड़ों का खेल अंदर खाने चल रहा है। बिल्डर्स और व्यवसायिक दोनों में अवैध बिल्डिंग निर्माण में होड़ मच गयी है। आख़िर क्या नगर निगम और इनकमटैक्स डिपार्टमेंट कुम्भकर्ण की नींद सोया है कि करोड़ों के बनते और बिकते शोरूम और फ़्लैट्स नज़र नहीं आते इन विभागों को?

महिला डॉक्टर के क्लिनिक के पास रेजिडेंशियल प्लॉट में वाइन की शॉप का संचालन

40-50 फीट चौड़ी सड़क पर ज़ीरोसेटबैक का गली न.02,रेजिडेंशियल प्लॉट न. 415 में कमर्शियल भव्य शो रूम्स का अवैध निर्माण और अब उसमें शराब की दुकान का संचालन कटघरे में खड़ा कर रहा शासन-प्रशासन को

- **रात्रि आठ बजे के बाद भी राजापार्क में पीछे के गेट से बेची जाती है शराब**
- **आबकारी विभाग का वाइन शॉप का लाइसेंसधारक कोई और संचालक कोई और ?**

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अवैध निर्माण और अतिक्रमण राजधानी नहीं बल्कि पूरे राजस्थान राज्य की पहचान बन गयी है। जयपुर की आदर्शनगर विधानसभा और मालवीयनगर विधानसभा इस मामले में हिट लिस्ट में शामिल है।

विधायकों की दबंगता और मनमानी ने सारा ढर्रा बिगाड़ कर रख दिया है।

इधर राजापार्क की बात करें तो नशा परोसने में अव्वल आने की होड़ में सबसे आगे है राजापार्क।

चाय कैफ़े और शराब की दुकानें यहाँ ढेर सारी हो गईं हैं। रात को 12-1 बजे तक पीछे के गेट से बिकती शराब और नशेड़ी चाय का सिप लेते युवाओं की भीड़ आसानी से देखी जा सकती है।

इसी का उदाहरण है राजापार्क गली न० 02 प्लॉट 415 कॉर्नर रेजिडेंशियल प्लॉट कॉमर्शियल निर्माण के साथ- साथ शराब बिक्री का शो रूम भी बन गया है।आसपास के रहवासियों ने विरोध किया

वाइन शॉप और महिला डॉक्टर क्लिनिक एक साथ संचालित क्यों?

लेकिन शासन-प्रशासन पर कोई असर नहीं। इधर इसी से सटकर महिला डॉक्टर का क्लिनिक संचालित है। यह कैसा दृश्य है कि बीमार,पीड़ित आम जनता जब इलाज़ के लिए आये तो शराब की दुकान पास में संचालित हो रही हो। आबकारी विभाग को सख़्ती के साथ लाइसेंस रद्द करना चाहिए ऐसे वाइन शॉप संचालकों का।

जवाहर नगर 30 लाख का आवासीय भूखण्ड हो गया तीन करोड़ रुपए का

- **तीन अवैध दुकान बनाकर में तीन-तीन करोड़ में हो रहा अवैध बेचान**
- **करोड़ों का चूना नगर निगम हैरिटेज और इनकमटैक्स विभाग को**
- **जेईएन विजेंद्र मीणा के संज्ञान में है सारे अवैध निर्माण लेकिन नहीं बनी है रिपोर्ट अवैध निर्माणों व अतिक्रमणों की आज तक**
- **हर आवासीय प्लॉट धारक बना रहा है अवैध व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स**
- **उपायुक्त के बिना लावारिस नगर निगम आदर्शनगर जोन हैरिटेज के अधिकारी और कर्मचारी रहते हैं नदारद केबिन से**

हिलव्यू समाचार

जयपुर। न कानून का डर और न नियमों की परवाह। आदर्शनगर जोन नगर निगम हेरिटेज के अधिकार क्षेत्र में आने वाले आवासीय मकान में व्यवसायिक गतिविधियों का सिलसिला बन गया है।

जवाहर नगर पेट्रोल पंप के पास आवासीय मकान 1 क 5 जवाहर नगर में बन रही है तीन-तीन अवैध दुकानें।बिना स्वीकृति के बेलगाम अवैध निर्माण ज़ोर शोर से चल रहा है

आवासीय में कॉमर्शियल निर्माण कर निगम को चूना लगाने की यह कवायद अपना ही रंग दिखा रही है।

सूत्रों के अनुसार 1 क 5 की एक दुकान की क़ीमत एक करोड़ है और इस तरह से तीन दुकानों की कीमत साइज़ अनुसार लगभग ढाई करोड़ से तीन करोड़ की आंकी गयी है।

आदर्शनगर जोन नगर निगम हेरिटेज के अधिकारी कर्मचारी बेसुध हैं या बेपरवाह हैं मिलीभगत करके?

यह अवैध निर्माण सन्देह की सुईयाँ लगातार निगम की ओर घुमा रहा है।

पूर्व उपायुक्त सुरेश राव की निष्क्रियता और कर्मचारियों की सेटिंग ने आदर्शनगर जोन में लगभग 400-500 अवैध निर्माणों को पनाह दे दी है जिसका नज़ारा आदर्शनगर ज़ोन क्षेत्र में घूम कर देखा जा सकता है।

सिंधी कॉलोनी की सकड़ी गलियों को भी लगने लगा है ग्रहण अवैध निर्माणों का

अवैध निर्माणकर्ता हिमांशु जीवनानी प्लॉट न.634 सिंधी कॉलोनी ठाकुर दास जीवनानी के पूर्व में पार्षद प्रत्याशी होने यानी राजनैतिक रसूख को बना रहे अपनी ढाल

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर(हिलव्यू समाचार)। बिना निगम की अनुमति के आवासीय भूखण्डों पर बहुमंज़िला बिल्डिंग्स बनने लगी हैं।हर आवासीय प्लॉट धारक बिल्डर बनने को आमादा है।घर के निर्माण की आड़ में बिल्डर्स के साथ जॉइंट वेंचर कर हर मकान मालिक या भूखण्डधारी कॉमर्शियल निर्माण पर उतर आया है।नगर निगम की आँखों में धूल झोंकने का गौरखधंधा बड़े जोर शोर से चालू है आदर्श नगर निगम जोन में।

बिना परमिशन लिए परमिशन की झूठी कहानी या बोर्ड लगाकर लोग बेख़ौफ़ होकर कर रहे लगातार अवैध निर्माण।

परमिशन होती है तो परमिशन के हिसाब से काम नहीं होता और तो और अवैध निर्माण कर,सड़क पर ज़ीरो सेकबैक रखकर कब्ज़ा कर सीना ताने खड़े हो जाते है बिल्डर और निगम को खुद की जेब में रखने की बात कहते नज़र आते हैं।बिना परमिशन लिए बिना सेट बैक छोड़े निर्माण कार्य धड़ल्ले से चल रहा है ।

प्लॉट न.634 पर अपने आप को पार्षद पद का प्रत्याशी बताकर ठाकुर दास जीवनानी खुद की देखरेख में अवैध निर्माण करवा रहे हैं। निगम से सेटिंग साँठगाँठ करके अवैध निर्माण लगातार चालू है।

बेख़ौफ़ होकर अवैध निर्माण करने वाले बिल्डर अपने आप को सर्वेसर्वा समझते है और हर बात पर अधिकारियों से सेटिंग होने की बात कह के अपने आस पास रहने वाले लोगों को धमकाने का सिलसिला भी जारी रखते हैं। अवैध निर्माण कर आवासीय कॉलोनी की शांति और सुकून को ख़त्म किया जा रहा है। सड़क सकड़ी पहले ही है और लगातार जाम आसपास के रहने वालों का जीना हराम कर रहा है।

राजापार्क गली न.02 आशीर्वाद शोरूम बिना निगम स्वीकृति के चढ़ रहा आसमानी चढ़ाई

न शासन का डर और न प्रशासन का !

कहाँ से लाते हैं इतनी हिम्मत ये अवैध निर्माणकर्ता...

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजापार्क गली नम्बर 2 के ही कॉर्नर पर आशीर्वाद शो रूम के ऊपर निगम की परमिशन के बिना अवैध निर्माण किया जा रहा है । मात्र यही एक विषय नहीं दुस्साहस का बल्कि मालवीयनगर नगर निगम जोन और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट दोनों की रेवेन्यू की चोरी मामला बनता है। एक तरफ ऐसे अवैध निर्माण कर शोरूम बनाने वाले सरकारी टैक्स का तो नुकसान करते ही हैं वहीं दूसरी ओर दूसरे लोगों को भी इनडायरेक्ट वे में अवैध निर्माण करने की नज़ीर पेश करते नज़र आते हैं।

सरकार की आँखों में धूल झौंकने में माहिर अवैध निर्माणकर्ता बिल्डिंग बायलॉज के नियमों की धज्जियाँ उड़ाने में माहिर हैं और आम जनता की परेशानी की परवाह नहीं करते। आख़िर ऐसी मनमानी करने की छूट इन्हें किस वजह से और कहाँ से मिलती है ये गम्भीर विषय है सोचने का ?

सम्पादकीय

आतंक के ख़िलाफ़ लड़ाई का मंच बने एससीओ

आज आतंकवाद बड़ा वैश्विक मुद्दा है। आतंकवाद के कई रूप भी हो गए हैं। साइबर टेररिज्म, टेरर फंडिंग, ड्रग्स तस्करी से लेकर कट्टर मजहबी आतंकवाद तक, सभी वैश्विक शांति व सुरक्षा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। भारत लगभग चार दशक से इस सभी प्रकार के आतंकवाद से पीड़ित रहा है। इसलिए वह हर वैश्विक मंच से आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाता है और इसके खिलाफ सामूहिक एक्शन प्लान की मांग करता है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भी पीएम नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई की वकालत की है। बिना पाकिस्तान का नाम लिए पाक पीएम शाहबाज शरीफ व चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मौजूदगी में पीएम ने आतंकवाद को क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए प्रमुख खतरा बताते हुए एससीओ से सीधे दोनों नेताओं को संदेश दिया। आतंकवाद की चुनौती से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई जरूरी है और ऐसे गंभीर विषय पर दोहरे मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। आतंकवाद चाहे किसी भी रूप में हो, किसी भी अभिव्यक्ति में हो, हमें इसके विरुद्ध मिलकर लड़ाई लड़नी होगी। आतंकवाद के वित्त पोषण को रोकने के लिए भी एससीओ को एक मैकेनिज्म बनाना चाहिए। एससीओ सदस्य देशों के युवाओं के बीच कट्टरता के फैलाव को रोकने के लिए और सक्रिय रूप से कदम उठाए जाने चाहिए। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरने वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को लेकर भी भारत कड़ी आपत्ति करता रहा है। एससीओं की इस बैठक में भारत, रूस, चीन, पाकिस्तान के अलावा कजाकिस्तान, किर्गिजिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और ईरान ने भी हिस्सा लिया है। भारत का मानना है कि एससीओ का कंसर्न अफगानिस्तान को लेकर भी होना चाहिए और वहां की भूमि का पड़ोसी देशों में अस्थिरता फैलाने, या चरमपंथी विचारधाराओं को प्रोत्साहन देने के लिए इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। यह सीधा चीन व पाक को संदेश है, जो अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के साथ सहज हैं। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने एससीओ के मंच से क्षेत्रीय शांति और साझी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया है, लेकिन यह तभी संभव है जब चीन खुद अपने पड़ोसियों की संप्रभुता का सम्मान करे, सीमा पर भरोसा पैदा करे और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति रखे। आतंकवाद पर चीन का दोहरा रवैया, सीमा पर चीनी आक्रामकता, छोटे देशों पर बुरी नजर और ट्रेड डंपिंग नीति के चलते चीन ने खुद ही अपना भरोसा खोया है। ऐसे में एससीओ की सफलता तभी है, जब सदस्य देश एक लक्ष्य के साथ काम करे। एससीओ में ट्रेड सहयोग बढ़ाने, शांति व सुरक्षा सुनिश्चित करने की काफी क्षमता है, इसके लिए परस्पर भरोसा व सामूहिक हितों को पोषण व संरक्षण जरूरी है। संयोगवश भारत एससीओ शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता भी ऐसे वक्त में संभाल रहा है, जब वह पहले से ही जी-20 की कमान संभाले हुए है। एससीओ की अध्यक्षता भारत के पास अपनी ग्लोबल लीडरशिप प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है। भारत ने एससीओ में सहयोग के पाँच नए स्तंभ बनाए हैं जिसमें स्टार्टअप एवं नवाचार, पारंपरिक औषधि, डिजिटल समावेशिता और युवा सशक्तीकरण, साझी बौद्ध धरोहर शामिल हैं। एससीओ के मंच से जहां चीन ने बोर्डर रोड इनीशिएटिव प्रोजेक्ट की वकालत की है, वहीं भारत ने अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा पर जोर दिया। साफ है कि अभी एससीओ सदस्य ग्लोबल एजेंडे पर एकमत नहीं है। एससीओ को एक संगठन के रूप में अपनी उपयोगिता साबित करनी होगी। एससीओ को यूरेशियाई महाद्वीप का विकास, आर्थिक सुरक्षा और सहयोग, वैश्विक सुरक्षा, वैश्विक विकास और तकनीकी साझा करने आदि पर काम करना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का मंच बनना चाहिए।

सियासत
अवधेश कुमार

महाराष्ट्र का घटनाक्रम स्वाभाविक

महाराष्ट्रमें कुछ दिनों में साफ होने लगा था कि राकांपा नेताओं का बड़ा समूह महाविकास अघाडी को बनाए रखने तथा विपक्षी एकता का भाग बनने की बजाय भाजपा और शिवसेना (शिंदे) समूह के साथ जाने का मन बना चुका है। यह मानना ठीक नहीं कि जो हुआ उसका पता शरद पवार को नहीं था। जब शपथ ग्रहण के पूर्व अजित पवार के घर पर सुप्रिया सुले भी पहुंची तो उन्हें पूरा घटनाक्रम का ज्ञान था। आज भाजपा पर अनैतिकता का आरोप लगाने वालों में से एक भी नेता ने तब यही बात नहीं कही जब भाजपा शिवसेना गठबंधन को बहुमत के बावजूद सरकार महाविकास अघाडी की बनाई गई। राज्य का वर्तमान घटनाक्रम कतई अचंभित करने वाला नहीं है।

महाराष्ट्र का वर्तमान घटनाक्रम कतई अचंभित करने वाला नहीं है। कुछ दिनों में साफ होने लगा था कि राकांपा नेताओं का बड़ा समूह महाविकास अघाडी को बनाए रखने तथा विपक्षी एकता का भाग बनने की बजाय भाजपा और शिवसेना (शिंदे) समूह के साथ जाने का मन बना चुका है। यह मानना ठीक नहीं कि जो हुआ उसका पता शरद पवार को नहीं था। जब शपथ ग्रहण के पूर्व अजित पवार के घर पर सुप्रिया सुले भी पहुंची तो उन्हें पूरा घटनाक्रम का ज्ञान था। आज भाजपा पर अनैतिकता का आरोप लगाने वालों में से एक भी नेता या पार्टी ने तब यही बात नहीं कही जब भाजपा शिवसेना गठबंधन को बहुमत मिलने के बावजूद सरकार महाविकास अघाडी की बनाई गई। शरद पवार पिछले 4 वर्षों से जैसी राजनीति कर रहे थे उसकी यही स्वाभाविक परिणति थी। नवंबर 2019 में अजित पवार ने देवेंद्र फडणवीस के साथ शरद पवार की अनुमति से शपथ ली थी। एक ओर वे भाजपा से बात कर रहे थे और दूसरी ओर उद्धव ठाकरे से भी। उन्होंने कहा है कि ऐसा करके वे भाजपा को एक्सपोज करना चाहते थे। इसमें सबसे ज्यादा अपमान और बदनामी अजित पवार की हुई। उनके मन में लगातार इस बात की कसक थी। दूसरे, लगभग यह भी साफ हो चुका है कि शरद पवार ने एक समय उद्धव ठाकरे सरकार में रहते हुए भाजपा के साथ जाने के लिए भी बातचीत की। संभवतः उनके राष्ट्रपति बनाने पर नरेंद्र मोदी ने सहमति नहीं दी। इस तरह की राजनीति करने वाले व्यक्ति की पार्टी उसके साथ सदा रहे और वह भी इस स्थिति में जब प्रदेश में गठबंधन कमजोर होता दिखे यह संभव नहीं। थोड़े शब्दों में कहें तो यह पवार की राजनीति की ही स्वाभाविक परिणाम है।

एक वर्ष पहले हुआ शिवसेना में विद्रोह और राकांपा के वर्तमान टूट में गुणात्मक अंतर यही है कि तब उद्धव ठाकरे को इसका आभास नहीं था और शरद पवार जानकारी होते हुए भी रोक नहीं सके। शरद पवार विरोध में उतर रहे हैं तो कुछ समय के लिए नेताओं विधायकों का एक समूह उनके साथ दिखेगा, पर तस्वीर बता रही है कि उनके हाथ से नियंत्रण बाहर जा चुका है। इस घटना का तीन और पहलुओं के आधार पर संपूर्ण विश्लेषण किया जा सकता है। पहला , यह राकांपा की टूट है तो इस पर किसका दावा बनता है? दूसरे, इसका महाराष्ट्र की राजनीति में क्या असर होगा और तीसरा, राष्ट्रीय राजनीति यानी नरेंद्र मोदी और भाजपा विरोधी विपक्षी एकजुटता इससे कितनी प्रभावित होगी? प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि पार्टी ने फडणवीस और शिंदे सरकार में शामिल होने और समर्थन करने का फैसला किया है। यानी यह टूट नहीं पार्टी का निर्णय है। यह भी कहा कि शरद पवार हमारे नेता थे, हैं और रहेंगे। अजित पवार ने भी राकांपा के संदर्भ में यही बात कही। यानी ये कह रहे हैं कि पार्टी के फैसले से हम गए हैं हमने न बगावत की, न पार्टी को तोड़ा है। यह स्टैंड ऐसा है जिसकी काट जरा मुश्किल होगी। शरद पवार के विरुद्ध ये कुछ नहीं बोलेंगे, लेकिन स्टैंड यही रहेगा। उद्धव ठाकरे के विपरीत शरद कह रहे हैं कि वे कानूनी लड़ाई नहीं लड़ेंगे, जनता के बीच जाएंगे। हालांकि विधानसभा में अजित और विद्रोहियों की

सदस्यता रद करने की मांग की गई है। तो होगा क्या? अजित और प्रफुल्ल कह रहे हैं कि वह राकांपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेंगे। यानी चुनाव के पूर्व पार्टी चुनाव चिह्न को लेकर अभी तक दोनों पक्ष दावा करने के लिए चुनाव आयोग जाने का संकेत नहीं दे रहे। शरद अगर चुनाव आयोग के पास जाते हैं तभी इसकी कानूनी लड़ाई आरंभ होगी। वैसे विधानसभा में अध्यक्ष के पास आवेदन देने के साथ कानूनी और संवैधानिक लड़ाई आरंभ हो गई है। कानूनी लड़ाई के व्यवहार में बहुत ज्यादा मायने नहीं होते। किसी को चुनाव चिह्न मिल जाए और नेता, विधायक, सांसद साथ नहीं हो तो उसका कोई अर्थ नहीं। प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल जैसे नेता शरद पवार से अलग निर्णय करते हैं तो यह साधारण घटना नहीं है। प्रफुल्ल पिछले करीब ढाई दशक से शरद पवार के सर्वाधिक विश्वसनीय एवं निकटस्थ नेताओं में हैं। छगन भुजबल की हैसियत भी बहुत बड़ी है। यही स्थिति लगभग दिलीप वलसे पाटील की भी है। ऐसे नेताओं के बाहर जाने के बाद शरद पवार के साथ पूरे प्रदेश में पहचान रखने वाले नेताओं की तलाश करनी पड़ेगी। शरद पवार की मराठवाडा में प्रतिष्ठा है खासकर गांव में और उनके साथ लोग खड़े होंगे, किंतु यह स्थायी नहीं हो सकता। 84 वर्ष की उम्र के व्यक्ति के साथ राजनीति का कोई व्यक्ति तभी खड़ा होगा जब उसे आगे अपना भविष्य दिखाई दे। सुप्रिया सुले और प्रफुल्ल पटेल को कार्याध्यक्ष बनाकर उन्होंने अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया। सुप्रिया संगठन की व्यक्ति नहीं हैं। उनकी पूरी ताकत शरद पवार हैं। सुप्रिया के साथ जाकर कोई जोखिम मोल लेना नहीं चाहेगा। दूसरे, महाराष्ट्र विधानसभा में कांग्रेस को छोड़कर शरद के साथ बचे राकांपा और उद्धव शिवसेना के नेताओं की यह हैसियत नहीं कि वे ज्यादा लोगों को साथ ला सकें। वहां का माहौल एकपक्षीय होगा। शरद पवार स्वयं विधानसभा में नहीं है तो इसका भी असर होगा, इसलिए इस समय शरद पवार के साथ खड़े लोगों, या उनकी रैली आदि में संख्या के आधार पर भविष्य का निष्कर्ष मत निकालिए।

चूंकि शरद पवार पटना की विपक्षी बैठक में शामिल हो चुके हैं इस कारण उन्हें उन पार्टियों का समर्थन मिलेगा। धरातल का सच यही है कि शरद की राजनीतिक पारी का लगभग अंत हो चुका है। 1999 में सोनिया गांधी के विदेशी मूल के सैद्धांतिक मुद्दे को उठाकर उन्होंने कांग्रेस से अलग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाई। यह बात अलग है कि बाद में वह कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़े, यूपीए सरकार में मंत्री रहे, प्रदेश में भी सरकार चली। शरद के कमजोर होने और राकांपा के बड़े समूह का प्रमुख और प्रभावी नेताओं के साथ भाजपा गठबंधन में साथ आने के बाद महाराष्ट्र का पूरा राजनीतिक वर्णक्रम बदल गया है। अब महाविकास अघाडी में कांग्रेस प्रमुख पार्टी है और शरद के नेतृत्व वाली राकांपा,उद्धव ठाकरे की शिवसेना काफी कमजोर। वर्तमान राष्ट्रीय राजनीति पर इसका दो तरीकों से असर होगा। पहला, शरद भाजपा और मोदी विरोधी मोर्चाबंदी के वरिष्ठ नेता है। पार्टी के इस बड़े टूट के बाद उनका वह प्रभाव नहीं होगा। मान सकते हैं कि अजित विचारधारा के स्तर पर कोई सिद्धांतवादी नेता नहीं है। बावजूद वे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का अच्छा भविष्य होने की बात कह रहे हैं तो इसे केवल टूट के लिए गढ़ा गया तर्क मानना उचित नहीं होगा। निस्संदेह, इसके पीछे अपने राजनीतिक भविष्य की चिंता होगी। किसके साथ जाने से हमारा राजनीतिक लाभ होगा यह कोई भी सोचता है पर आधार ठोस होता है। शरद पवार विरोधी इस समूह का कदम बताता है कि उनकी दृष्टि में महाराष्ट्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव जीतने की संभावना ज्यादा प्रबल है। यह न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश के विपक्षी गठजोड़ की दृष्टि से बहुत बड़ी टिप्पणी है। जो नेता विपक्षी मोर्चाबंदी में बैठ रहे हैं उनकी पार्टी साथ है या नहीं इसे लेकर बड़ा प्रश्न चिह्न खड़ा हो गया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

फिल्म विवाद
प्रो. मनीषा शर्मा

सनातन पौराणिक चरित्रों का स्तरहीन प्रस्तुतिकरण न हो

छह सौ करोड़ के भव्य बजट से निर्मित अब तक की सबसे महंगी भारतीय फिल्मों में शुमार आदिपुरुष विवादास्पद तमाशा बनकर रह गई है। इस फिल्म के निर्देशन ओम रावत ने किया है और संवाद मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखे हैं। इस फिल्म में जिस प्रकार से हमारे धार्मिक चरित्रों का प्रस्तुतीकरण हुआ है वह अत्यंत चिंताजनक है। चिंताजनक इसलिए कि इस देश में यही के लोगों के द्वारा किस तरह हमारी आस्था से, मान्यताओं से खिलवाड़ किया जा रहा है। दूसरी चिंता यह है कि हर बार इनके निशाने पर हिंदू धर्म ही क्यों होता है? हिंदू धर्म के देवी देवता ही क्यों? क्यों हर बार हिंदू धर्म और सनातन परंपरा और आस्था से खिलवाड़ ही इनके निशाने पर होता है? यह बात भी चिंता में डालती हैं। इंटरवल तक फिल्म में सुंदरकांड चलता है फिर लंका कांड और पूरी फिल्म अपने आप में एक स्तरहीन कांड बनकर रह जाती है सनातन धर्म व आस्था के खिलाफ। संगीत व गीतों के साथ संवाद अत्यंत खराब हैं। फिल्म के टीजर को देखकर ही लोगों ने काफी हो-हल्ला मचाया था, परंतु इस सबके बावजूद निर्देशक ओम राउत ने फिल्म में अपना ही दिमाग चलाया और किसी तरह का फेरबदल नहीं दिखाई देता। टीजर के ग्राफिक्स, स्पेशल इफेक्ट भी वैसे के वैसे हैं। इस फिल्म में राम कहीं भी राम नहीं लगते, बल्कि प्रभास बाहुबली का ही तृतीय संस्करण लगते हैं। 3 घंटे की फिल्म में भगवान राम के वनवास से रावण वध तक की कथा में रचनात्मक आजादी का इतना भयानक इस्तेमाल किया गया है कि चरित्रों के स्वरूप के साथ मनमाने प्रयोग कर उन्हें विकृत बना दिया गया है। तथ्यों से छेड़छाड़ कर सीता की जन्मभूमि ही बदल दी गई जिससे नेपाल में फिल्म बैन कर दी गई। 3 डी व वीएफएक्स का इतना स्तरहीन और भद्दा प्रयोग इससे पहले कहीं नहीं देखा। आदिपुरुष जैसी स्तरहीन फिल्म हमारी युवा पीढ़ी को क्या परोस रही है यह भी सोच का विषय है। क्या हमारी नई युवा पीढ़ी प्रभु श्री राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान जैसे चरित्र को इस विकृत रूप में देखेगी। हमने वह रामायण भी देखी है जिसे रामानंद सागर ने निर्देशित किया था। राम के स्वरूप में अरुण गोविल आज भी हमारे मन मस्तिष्क पर अंकित हैं। राम की जो छवि लोक मानस में अंकित है, वह अत्यधिक सौम्य है। हमारे वीर हनुमान भी ऐसे ही होंगे। रामायण का रावण ठहाके लगाकर हंसता जरूर था, परंतु उसकी आंखों में कभी सीता के लिए कोई वासना नजर नहीं आई। आदिपुरुष का रावण चमगादड़ पर बैठकर आता है उसका स्वरूप भी वीभत्स है। असंख्य रंग बिरंगी लाइट वाली तलवारें उसके हाथ में दिखती हैं जो हॉलीवुड के थानोस की कॉपी है। आदिपुरुष का राम पूरी फिल्म में क्रोध में है, ना उनके चेहरे पर राम का तेज है ना सौम्यता। वैसा ही प्रस्तुतीकरण सीता का है जो महज एक मॉडल के रूप में आई है। रामायण की लंका जो सोने की थी यहां काले रंग की है। यह फिल्म एक भटकी हुई फिल्म बन कर रह गई। अगर पैसा ही कमाना है तो पौराणिक कथाओं से छेड़छाड़ क्यों आप राम की जगह किसी को भी लेकर इस तरह की फिल्म बना देते । कई विषय है कोई रोकने वाला नहीं पर इतना स्तरहीन प्रस्तुतिकरण राम के लिए बर्दाश्त नहीं । राम जीवन में मर्यादा का पाठ पढ़ाने वाले हैं । धर्म के लिए,न्याय के लिए , जनकल्याण के लिए कार्य करने वाले हैं । राम हमारे लिए महज एक पौराणिक पात्र नहीं हमारी संस्कृति का आधार है और हमारी श्रद्धा का केंद्र है। अतः अभिव्यक्ति की आजादी और सृजनात्मकता की छूट के नाम पर, मनोरंजन के नाम पर अब सनातन धर्म, सनातन संस्कृति व सनातन मान्यताओं के उपहास का विरोध होना चाहिए। हमें एकजुट होकर आवाज उठानी होगी कि हमारी धार्मिक मान्यताओं का प्रस्तुतिकरण हमारी आस्था व विश्वास के अनुरूप हो।

(लेखिका अमरकंटक विवि में पत्रकारिता एवं जनसंचार में विभागाध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

झूठ बोलकर हासिल ज्ञान ज्यादा दिन नहीं चलता

संकलित
दर्शन

परशुराम अष्ट चिरंजीवियों में से एक हैं, योद्धा और गुरु हैं। महाभारत के समय भीष्म, द्रोणाचार्य और कर्ण इनके शिष्य थे। परशुराम जी से ज्ञान हासिल करने के लिए कर्ण ने झूठ बोला था कि मैं ब्राह्मण पुत्र हूं, क्योंकि उस समय परशुराम जी ब्राह्मणों को ही ज्ञान दे रहे थे। कर्ण परशुराम जी का शिष्य बन गया और ज्ञान हासिल करने लगा। एक दिन जब परशुराम कर्ण की गोद में सिर रखकर सो रहे थे। उस समय कर्ण की जांघ पर एक बड़े कीड़े ने काट लिया। गुरु की नींद न टूटे ये सोचकर कर्ण दर्द सहते रहे, लेकिन उन्होंने परशुराम को नींद से नहीं जगाया। नींद से जागने पर जब परशुराम ने देखा कि कर्ण के पैर से खून बह रहा है तो वे समझ गए कि कर्ण ब्राह्मण पुत्र नहीं है। तब परशुराम ने क्रोधित होकर कर्ण को शाप दिया था कि मेरी सिखाई हुई विद्या की जब तुम्हें सबसे ज्यादा आवश्यकता होगी, उस समय तुम ये विद्या भूल जाओगे। महाभारत युद्ध में जब कर्ण और अर्जुन का आमना-सामना हुआ, उस समय कर्ण अपने दिव्यास्त्रों को प्रकट करने की विधि भूल गए थे। इसके बाद अर्जुन ने श्रीकृष्ण के कहने पर कर्ण का वध कर दिया। झूठ बोलकर हासिल की गई विद्या लंबे समय तक साथ नहीं देती है। ज्ञान सीखने के लिए त्याग और तप दोनों ही करना पड़ता है तब कहीं सही मायनों में ज्ञान अर्जित हो पाता है। दूसरा सही गुरु का मिलना भी जरूरी है अन्यथा भटकते रहना पड़ता है।

अनासक्त हुए बिना करे दूसरों की भलाई

संकलित
प्रेरणा

यह सोचना भूल है कि हमने संसार का भला किया। इस विचार से दुख उत्पन्न होता है। हम किसी की सहायता करने के बाद सोचते हैं कि वह हमें इसके बदले में धन्यवाद दे, पर वह धन्यवाद नहीं देता, तो हमें दुख होता है। हम जो कुछ भी करें, उसके बदले में किसी चीज की आशा क्यों रखें? बल्कि उल्टे हमें उसी के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए, जिसकी हम सहायता करते हैं, उसे साक्षात नारायण मानना चाहिए। मनुष्य की सहायता द्वारा ईश्वर की उपासना करना क्या हमारा परम सौभाग्य नहीं है? यदि हम वास्तव में अनासक्त हैं, तो हमें यह प्रत्याशा जनक कष्ट क्यों होना चाहिए? अनासक्त होने पर तो हम प्रसन्नतापूर्वक संसार में भलाई कर सकते हैं। अनासक्त किए हुए कार्य से कभी भी दुख अथवा अशांति नहीं आएगी। यदि हम यह जान लें कि आसक्ति रहित होकर किस तरह कर्म करना चाहिए, तभी हम दुराग्रह और मतांधता से परे हो सकते हैं। जब तुम दुराग्रह और मतांधता से परे हो जाओगे, तभी अच्छी तरह कार्य कर सकोगे। जो ठंडे मस्तिष्क वाला और शांत है, जो उत्तम ढंग से विचार करके कार्य करता है, जिसके स्नायु सहज ही उत्तेजित नहीं होते तथा जो अत्यंत प्रेम और सहानुभूति संपन्न है, केवल वही व्यक्ति संसार में परोपकार कर सकता है और इस तरह वह अपना भी कल्याण कर सकता है। यह संसार चरित्र गठन की एक विशाल व्यायामशाला है। इसमें हम सभी को अभ्यास रूप में कसरत करनी पड़ती है, जिससे हम आध्यात्मिक बल से अधिकाधिक बलवान बनते रहें।

अंतर्मन

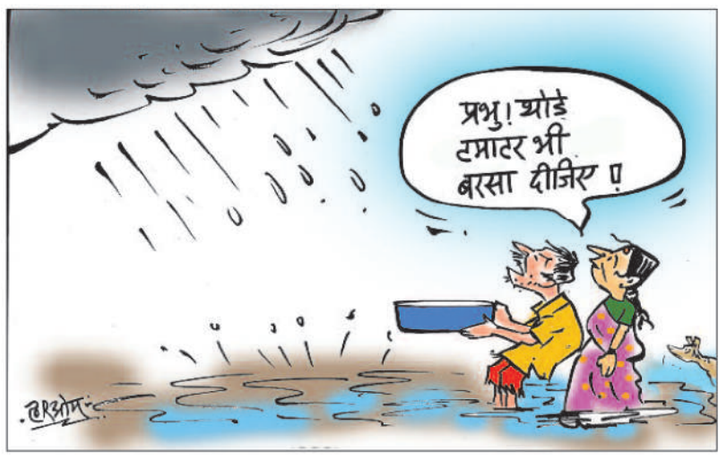

आज की पाती

समान नागरिक संहिता लागू न करना उचित नहीं

समान नागरिक संहिता को लेकर मोदी जी के आह्वान के बाद देशभर में इस मुद्दे पर चर्चा शुरू हुई है। राजनीतिक दलों में भी कुछ इसके पक्ष में हैं और कुछ इसके पक्ष में नहीं हैं। समान नागरिक संहिता लागू करने वाला गोवा देश का पहला राज्य है, जहां आजादी के बाद से ही समान नागरिक संहिता लागू है। लॉ कमीशन ने भी इसी विषय पर आम जनता से राय मांगी है। इंटरनेट सुविधा के चलते बड़ी संख्या में लोगों ने इसके पक्ष में अपने विचार व्यक्त करके इसका समर्थन किया है। संविधान निर्माताओं की भी मंशा देश में समान कानून लागू करने की थी। मगर राजनीतिक कारणों के चलते इसे अब तक टाला जाता रहा है। अब वक्त आ गया है कि एक देश एक कानून को यथाशीघ्र लागू किया जाए।

- रविंद्र जोशी, बिलासपुर

करंट अफेयर

तालिबान ने अफगानिस्तान में ब्यूटी पार्लर किया बैन

अफगानिस्तान में तालिबान ने महिलाओं के ब्यूटी पार्लर पर प्रतिबंध लगाते हुए इन्हें कारोबार बंद करने के लिए एक महीने का नोटिस दिया है। सरकार के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों तथा आजादी पर नयी पाबंदी है। इससे पहले शिक्षा और ज्यादातर नौकरियों से उन्हें प्रतिबंधित किया जा चुका है। तालिबान के 'वर्च्यू एंड वाइस मिनिस्ट्री' के प्रवक्ता मोहम्मद सिद्दीक अकिफ महाजर ने प्रतिबंध की जानकारियां नहीं दी। उन्होंने केवल सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे पत्र की बातों की पुष्टि की। मंत्रालय ने 24 जून को लिखा एक पत्र साझा करते हुए कहा कि वह सर्वोच्च नेता हिबातुल्लाह अखुंदजादा के एक मौखिक आदेश से अवगत करा रहे हैं। यह प्रतिबंध राजधानी काबुल और सभी प्रांतों में रहेगा और इसमें देशभर के सैलून को अपना कारोबार बंद करने के लिए एक महीने का नोटिस दिया गया है। इसके बाद उन्हें बंद कर दिया जाएगा और इस संबंध में एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी। पत्र में प्रतिबंध की वजहें नहीं बतायी गयी हैं।

ऑफ बीट

थकावट के कारण चुपचाप काम छोड़ रहे कर्मचारी

पूरे 36 प्रतिशत कर्मचारी पिछले वर्ष की तुलना में अब अधिक थके हुए हैं। यदि आप थके हुए नहीं हैं, तो इसका कारण यह हो सकता है कि आपने चुपचाप कुछ काम छोड़ दिया है। काम के प्रति उकताहट में भावनात्मक रूप से कमज़ोर होने से लेकर वैराग्य और संशयवाद से लेकर कम व्यक्तिगत उपलब्धि और यह भावना कि यह काम उनका नहीं है जैसे कई लक्षण शामिल हैं। तथ्य यह है कि बर्नआउट कम नहीं हुआ है, यह बताता है कि संगठनों ने इसके मूल कारणों पर ध्यान नहीं दिया है। इसके बजाय, कर्मचारियों ने मामले को अपने हाथ में ले लिया है और कुछ ने चुपचाप काम करना छोड़ दिया है। चुपचाप छोड़ने का तात्पर्य सिर्फ वही काम करना है जो हमारे नौकरी पर बने रहने के लिए आवश्यक है और इससे अधिक कुछ नहीं। अत्यधिक काम और निरंतर उपलब्धता के दिन गए। 2023 गैलप रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में ज्यादातर कर्मचारी चुपचाप काम छोड़ रहे हैं। क्योंकि जो कर्मचारी चुपचाप काम करना छोड़ देते हैं, वे अपने काम के चारों ओर बेहतर सीमाएँ निर्धारित कर सकते हैं, चुपचाप काम छोड़ने से उन्हें बर्नआउट को रोकने में मदद मिलती है।

ट्रेंड

वित्तीय प्रणाली में सुधार

कैरेबियाई राष्ट्र आकार में छोटे हो सकते हैं लेकिन वे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। मैंने कैरेबियाई नेताओं को जलवायु महत्वाकांक्षा और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में सुधार के लिए उनके शक्तिशाली आह्वान और कार्यों के लिए धन्यवाद दिया।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

मनुष्य में असीमित सामर्थ्य

मनुष्य असीमित सामर्थ्य का प्राणी है। अज्ञानजन्य विकार और अहंकार श्रेष्ठ सम्भावनाओं को धूमिल कर देता है। जो कुछ हमें प्राप्त है वह भगवान का अनुग्रह है और वह सब ईश्वर का है, ऐसा मानकर उन्हीं को अर्पण करें।

-अवधेशानंद, आध्यात्मिक गुरु

पशुओं का ध्यान रखें

अब जबकि मानसून आ गया है, बहुत सारी आवारा बिल्लियां और कुत्ते हमारी कारों के नीचे आश्रय लेते हैं। आश्रय लेने वाले आवारा जानवरों की चोटों से बचने के लिए अपनी कार को चालू करने और गति बढ़ाने से पहले उसके नीचे जांच करें।

-रतन टाटा, उद्योगपति

टैक्स देने लगे हैं लोग

पहले बीजेपी के वक्त लोग टैक्स नहीं देते थे। उन्हें लगता था कि उनका दिया हुआ टैक्स चोरी हो जाएगा। अब आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद लोग खुद ही टैक्स देने लगे हैं। उन्हें भरोसा है कि अब ईमानदार सरकार है और उनका दिया पाई पाई लोगों के विकास पर खर्च होगा।

-अरविंद केजरीवाल, सीएम दिल्ली

एक नज़र

विकास जाखड़ व जुगल किशोर शर्मा ने पार्टी की सदस्यता ली

अगले महीने फिर राजस्थान आएंगे दिल्ली के CM केजरीवाल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक अरविंद केजरीवाल अगस्त में फिर राजस्थान आएंगे। वे पार्टी के टाउन हॉल कार्यक्रम में हिस्सा लेने के साथ ही पार्टी के प्रचार अभियान को आगे बढ़ाएंगे।

पार्टी की ओर से केजरीवाल के दौरे को लेकर तैयारी की जा रही है। इधर मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल और संयुक्त सचिव सरपंच विजेंद्र सिंह डोटासरा की मौजूदगी में शौर्य चक्र विजेता व पूर्व असिस्टेंट कमांडेंट विकास जाखड़ और पूर्व आईईएस अधिकारी जुगल किशोर शर्मा ने पार्टी की सदस्यता ली। पालीवाल ने कहा कि जब से श्रीगंगानगर में केजरीवाल की रैली हुई है, तब से लोग आप की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी का दामन थाम रहे हैं। पालीवाल ने कहा कि प्रदेश की जनता भी दिल्ली और पंजाब की तरह राजस्थान में भी बिजली, शिक्षा, चिकित्सा आदि चाहती है। राजस्थान में परिवर्तन की शुरुआत हो चुकी है और अब पंजाब से आई हुई टीम लोगों के बीच जाकर लोगों को जागरूक करने का काम कर रही है।

प्रत्येक गांव में 11 लोगों की कमेटी बनाकर भेजी जा रही है। एक लाख कार्यकर्ता जन-जन तक पहुंच जाएंगे और पार्टी की नीतियों से अवगत करवाएंगे।

जोशी ने आयरलैंड पार्लियामेंट का किया अवलोकन

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने आयरलैंड की पार्लियामेंट का अवलोकन किया। डॉ. जोशी ने पार्लियामेंट के सदस्यों और अधिकारियों से पार्लियामेंट की गतिविधियों की जानकारी ली, साथ ही वहां के अधिकारियों को राजस्थान विधानसभा के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा भी मौजूद रहे। जोशी 3 देशों यूके, स्कॉटलैंड और आयरलैंड की अध्ययन यात्रा के बाद सोमवार 3 जुलाई को दिल्ली पहुंचेंगे।

साइबर सुरक्षा के लिए बनेगी राज्य स्तरीय लैब

जयपुर। प्रदेश में साइबर सुरक्षा को अधिक मजबूत बनाने के निए साइबर सुरक्षा लैब स्थापित की जाएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लैब स्थापना और 18.40 करोड़ रुपए के उपकरणों की खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत के इस निर्णय से जयपुर स्थित राजस्थान पुलिस अकादमी में लैब संचालित होगी। इससे प्रदेश में साइबर सुरक्षा बढ़ेगी और विभिन्न प्रकार के अपराधों के अनुसंधान में सुगमता आएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023-24 के बजट में सेंटर ऑफ साइबर सिक्योरिटी, काउंटर टेरेरिज्म एंड एंटी इंसर्जेन्सी की स्थापना के लिए घोषणा की थी।

नकल माफियाओं का शिकंजा: पिछले साल 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ के जुर्माने का किया था प्रावधान

पेपर लीक में अब उम्रकैद... कानून लाएगी सरकार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में नकल माफियाओं के लिए एक बुरी खबर है। राज्य सरकार ने प्रतियोगिता परीक्षाओं में पेपर लीक करने वालों को अब उम्र कैद की सजा होगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नकल माफियाओं को लेकर यह बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट करके यह जानकारी दी है। आगामी विधानसभा सत्र में सरकार इस संबंध में अध्यादेश लेकर आएगी। इस अध्यादेश के जरिए नकल माफियाओं को अधिकतम सजा के तौर पर उम्रकैद की सजा का प्रावधान जोड़ा जाएगा। राज्य सरकार ने मार्च, 2022 में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और धोखाधड़ी जैसे अपराधों के लिए 10 साल तक की कैद और 10 करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान करने वाला एक विधेयक पारित किया था। सीएम गहलोत ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि पेपर लीक के खिलाफ बनाए गए कानून में भी अधिकतम सजा का प्रावधान उम्रकैद करने के लिए आगामी विधानसभा सत्र में विधेयक लाने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रतियोगी परीक्षाओं में और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मुख्य सचिव को राजस्थान लोक सेवा आयोग, कार्मिक विभाग, राजस्थान राज्य अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक चयन बोर्ड एवं अन्य हितधारकों के साथ चर्चा कर बेहतर प्रक्रिया तैयार करने का निर्देश दिया गया है। बिल के लिए मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव उषा शर्मा को भी निर्देश जारी कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि 14 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में सरकार बिल लेकर आएगी।

भाजपा लगातार बोल रही है हमला

सरकार ने ऐसे समय में यह विधेयक लाने का निर्णय किया है, जबकि चुनावी साल में पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा के प्रदेश और केंद्रीय नेता कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोल रहे हैं। भाजपा ने रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी, लेकिन इसकी जांच राजस्थान पुलिस का 'स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप' कर रहा है।

चार साल में 15 से ज्यादा पेपर लीक

प्रदेश में पिछले चार साल में 15 से ज्यादा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। इनमें से 12 मामलों को लेकर सरकार ने जांच पूरी कर चालान पेश कर दिया है। प्रदेश में पेपर लीक के प्रकरण लगातार बढ़ रहे हैं। ऐसे में सरकार ने अब इस कानून को सख्त रूप देने का निर्णय किया है। सरकार के इस निर्णय का बेरोजगार संघों ने स्वागत किया है। सरकार के इस नए कानून के बाद पेपर लीक माफिया पर लगाम लगने में मदद मिल सकेंगी। वहीं गहलोत सरकार का यह कदम ऐसे मामलों में कड़ा संदेश भी माना जा रहा है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का प्रतापगढ़ दौरा

कांग्रेस ने खुद की गरीबी को किया दूर: गडकरी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत में लगभग 60 साल तक कांग्रेस ने शासन किया और गरीबी हटाओ का नारा दिया, लेकिन गरीबों की गरीबी दूर नहीं हुई जबकि कांग्रेस के लोगों ने अपनी 'गरीबी' दूर कर ली।

प्रतापगढ़ में सभा को संबोधित करते हुए मोदी सरकार की योजनाओं का गिनाते हुए गडकरी ने कहा कि सरकार का इरादा वाहन उद्योग के कारोबार को दोगुना कर 15 लाख करोड़ रुपए करने का है। अभी वाहन उद्योग का कारोबार 7.5 लाख करोड़ रुपए है और इस क्षेत्र में साढ़े चार करोड़ लोगों को नौकरियां मिली हैं। यह उद्योग सरकार को सबसे ज्यादा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) देता है। हमने तय किया है कि हम इस उद्योग को 15 लाख करोड़ रुपए का बनाएंगे। यह उद्योग दस करोड़ नौकरियां पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि भारत ने वाहन विनिर्माण में जापान को पछाड़ दिया है और विश्वस्तर पर चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर आ गया है। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ज्ञान एक महान शक्ति है और ज्ञान को धन में परिवर्तित करना ही हमारा भविष्य है।

सीएम गहलोत ने की गडकरी की तारीफ

कार्यक्रम में वर्चुअल जुड़े मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गडकरी की तारीफ करते हुए सुझाव दिया कि वो अपने दूसरे साथी नेताओं को समझाएं कि वो भी उनकी तरह ही काम करें। गहलोत ने यहां तक कहा कि अगर भाजपा के सभी नेता गडकरी साहब की तरह हो जाए तो कोई विवाद ही पैदा नहीं होगा, लेकिन अफसोस ऐसा कभी हो नहीं सकता है। गहलोत ने कहा कि नितिन गडकरी का काम तारीफे काबिल हैं। गडकरी साहब न सिर्फ योजनाएं बनाते हैं, बल्कि उन योजनाओं को जमीन पर उतारते भी हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से राजस्थान की 50 सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने के संदर्भ में गजट नोटिफिकेशन शीघ्र जारी करने का आग्रह किया। इन सड़कों के राष्ट्रीय राजमार्ग बनने से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। गहलोत ने कहा कि जोधपुर एलिवेटेड रोड की 2000 करोड़ रुपए की तैयार डीपीआर पर निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जाए।

किसान अन्नदाता नहीं ऊर्जा प्रदाता भी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसान आज न केवल अन्नदाता हैं बल्कि एथनॉल और सौर ऊर्जा का उत्पादन कर ऊर्जा प्रदाता भी हैं। ऑटो रिक्शा से लेकर कार तक एथनॉल से चलेंगी और भारत का आयात कम होगा और किसान समृद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि पिछले नौ साल में नरेंद्र मोदी सरकार ने कई विकास के कदम उठाए हैं और देश को प्रगति दिलाई है। इससे पहले एक अन्य कार्यक्रम में गडकरी ने 5,625 करोड़ रुपए की 11 राजमार्ग परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन और शिलान्यास किया।

राजस्थान आवासन मण्डल
हमारा प्रयास - सबको आवास
जयपुर में पहली बार 3/4 BHK लक्जरी फ्लैट्स
(गेटेड स्कीम, लैंडस्केपिंग, पर्याप्त सुरक्षा, 24 घंटे बिजली-पानी, क्लब हाउस, स्पोर्ट्स फैसिलिटी, 200Ft. राणा सांगा मार्ग पर)
आमजन की भारी मांग पर प्रताप नगर, सेक्टर 28 में स्थित
ग्रीनवुड होराइजन
(स्ववित्त पोषित योजना)
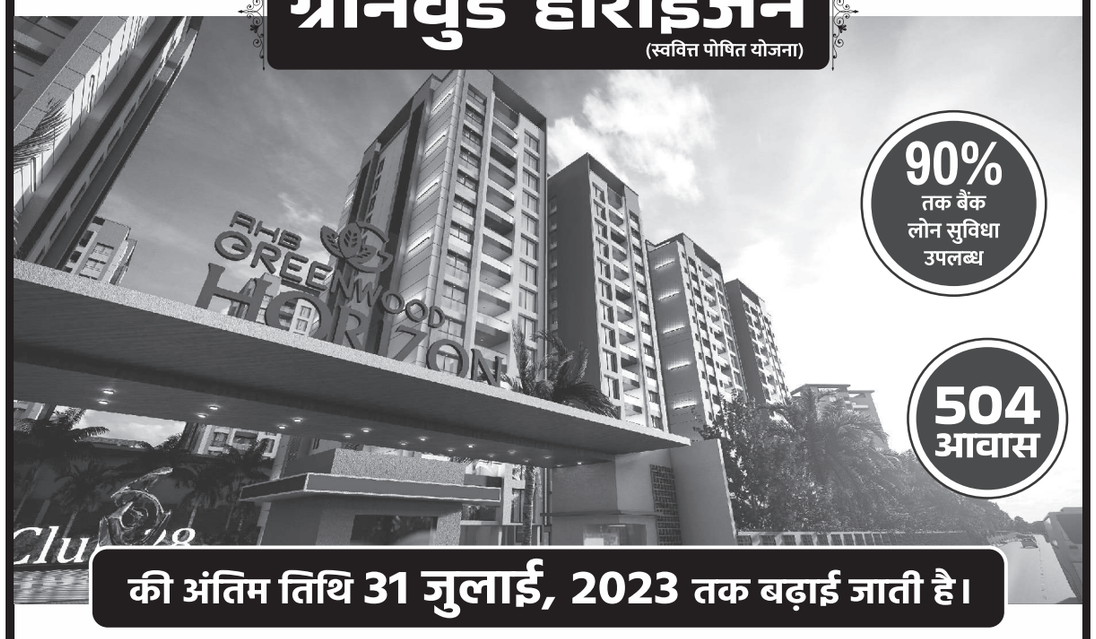

की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2023 तक बढ़ाई जाती है।

क्र. सं.	आय वर्ग	अनुमानित संख्या	अनुमानित निर्मित क्षेत्रफल (वर्ग फीट में)	अनुमानित क्षेत्रफल (वर्ग मीटर में)	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	उच्च आय वर्ग (4 BHK) (B+S+14)	112	2487.50	231.18	97.73
2	उच्च आय वर्ग (3 BHK-Type-I) (B+S+14)	224	1900.00	176.58	75.13
3	उच्च आय वर्ग (3 BHK-Type-II) (B+S+14)	168	1558.75	144.95	60.51

रेरा नं. RAJ/P/2023/2410 | रेरा वेबसाइट www.rera.rajasthan.gov.in
हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009 कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं 9460254319, शांतनु वार्ष्णेय (9983131666), पवन सोनी (8852000770) या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें
RHB वेबसाइट के लिए Scan करें
उपरोक्त योजना के लिए कोचिंग हब स्थित मार्केटिंग कार्यालय पर स्थापित हेल्पडेस्क की लोकेशन के लिए Scan करें
ग्रीनवुड होराइजन योजना का ब्रॉशर डाउनलोड करने के लिए Scan करें
अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन के लिए RHB की वेबसाइट
www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें।
राजस्थान संवाद

संविदा कर्मी 17 जुलाई को करेंगे विधानसभा घेराव

भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर केंद्र के खिलाफ करेंगे आंदोलन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। केंद्र सरकार द्वारा श्रम कानून में बदलाव करने के विरोध में कर्मचारी संगठनों ने देशव्यापी आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। केंद्रीय ट्रेड यूनियन के आह्वान पर प्रदेश कर्मचारी संगठन ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) के बैनर तले राष्ट्रव्यापी आंदोलन के समर्थन में प्रदेश भर में 9 अगस्त को प्रदर्शन करेंगे। एटक के प्रदेश अध्यक्ष एमएल यादव ने बताया कि एटक जयपुर जिले के पदाधिकारियों की बैठक रविवार को बनीपार्क में हुई। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा लगातार श्रमिक वर्ग पर चौतरफा हमला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न श्रम कानूनों में श्रमिक विरोधी संशोधन कर मजदूरों के अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। केंद्रीय ट्रेड यूनियन के आह्वान पर भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर 9 अगस्त को देशव्यापी श्रमिकों के पड़ाव का कार्यक्रम होगा। वहीं, जयपुर में भी श्रमिकों द्वारा पड़ाव डाला जाएगा।

12 घंटे की प्रथा हो रही मजबूत

महासचिव कुणाल रावत ने कहा कि देश के 45 करोड़ मजदूरों को जीवन-यापन योग्य न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा के अन्तर्गत स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा एवं पेंशन आदि की सुविधा भी नहीं दी जा रही है। औद्योगिक नियोजन (स्थायी आदेश) अधिनियम, 1946 में 16 मार्च, 2018 को संशोधन कर स्थायी नियोजन को समाप्त कर दिया है और फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट का मार्ग प्रशस्त कर इसे पूर्ण रूप से प्रबंधन पक्षीय बना दिया गया है। उन्होंने कहा कि 138 वर्ष पहले मजदूरों का आठ घंटे की कार्यवधि तय हुई थी जो अब बारह घंटे की कार्यावधि की प्रथा मजबूत हो रही है। बैठक के राजस्थान बैंक एम्प्लॉयीज के महेश मिश्रा, रोडवेज यूनियन के महासचिव धर्मवीर चौधरी, केंद्रीय कर्मचारियों के नेता भागीरथ मल सुंडा, जनरल इंश्योरेंस एम्प्लोयीज यूनियन के नेता संजय बग्गा, सहित कई कर्मचारी संगठन के नेता मौजूद रहे।

भीलवाड़ा के अगरिया गांव का मामला: 1916 के समय के बताए जा रहे हैं सिक्के

तालाब से निकल रहे चांदी के सिक्के

हिलव्यू समाचार
भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में जमीन से चांदी के सिक्के मिलने की खबर सामने आई। इसके बाद ग्रामीणों में सिक्के पाने के लिए जमीन खोदने की होड़ मच गई। कुछ ग्रामीणों ने जमीन से पुराने जमाने के चांदी के सिक्के निकलने का दावा किया। जिसके बाद वहां भीड़ ही जुट गई।

बड़ी संख्या में ग्रामीण चांदी के सिक्के पाने की होड़ में जमीन खोदने लगे। भले ही वो इसे चांदी का सिक्का बता रहे हैं, लेकिन इनका कनेक्शन साल 1916 से मिला है। ऐसी चर्चा है कि ये लोग वहां से करीब 100 सिक्के निकाल कर भी ले गए। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो पाई। दरअसल जिले के पारोली क्षेत्र के अगरिया तालाब की पाल पर चांदी के सिक्कों का खजाने मिलने की बात ने गांव में हड़कंप मचा दिया।

खजाना ढूंढने के लिए शनिवार शाम को सैकड़ों ग्रामीण तालाब की पाल पर पहुंच गए और वहां पड़े मलबे को खोदने लगे। ग्रामीणों को मलबे से 100 चांदी के सिक्के मिले। ये सिक्के आजादी के पहले 1916 के समय के हैं। सिक्कों पर प्रथम ब्रिटिश राजा जार्ज फ्रेडरिक अर्नेस्ट अल्बर्ट का फोटो बना हुआ है। इधर, चांदी के सिक्के मिलने की सूचना के बाद पारोली पुलिस भी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से सिक्कों के बारे में जानकारी ली। वहीं रविवार को दो पुलिकर्मी तैनात कर वहां किसी के भी जाने पर रोक लगा दी गई।

इंद्र की पूजा-अर्चना के लिए की थी खुदाई

अगरिया तालाब की पाल पर शनिवार शाम पांच बजे को इंद्र भगवान की पूजा-अर्चना करने के लिए तालाब की पाल के किनारे ग्रामीण मिट्टी खोद रहे थे। इस दौरान वहां मिट्टी में चांदी का सिक्का निकला। यह काफी पुराना था और उस पर 1916 अंकित था। यह बात गांव में आग की तरह फैल गई। बच्चों से लेकर बुजुर्ग सभी पाल पर पहुंच कर खुदाई करने लग गए। अंधेरा होने तक ये लोग सिक्के तलाशते रहे। इसके बाद रविवार सुबह ये फिर वहां सिक्के तलाशने लग गए। उन्हें वहां 100 सिक्के मिले भी।

ब्रिटिशकाल के हैं सिक्के

लोगों को मिले सिक्कों पर प्रथम ब्रिटिस राजा जार्ज फ्रेडरिक अर्नेस्ट अल्बर्ट का फोटो अंकित है। उनके शासनकाल 1910 से 1936 तक इन सिक्कों का प्रचलन था। इस एक सिक्के का वजन 11.66 ग्राम है।

तीन साल पहले डाला था मलबा

तीन साल पहले गांव के कुछ लोगों के पुराने मकान ढह गए थे। उन मकानों का मलबा तालाब की पाल के किनारे डाल दिया था। कयास लगाया जा रहा है कि यहां डाले गए मकानों के मलबे में ही यह सिक्के आए थे। लोगों का कहना है कि आगरिया गांव में यह मलबा जाट समाज के लोगों के पुराने घर का है। उनके घर करीब 100 साल से ज्यादा पुराने हो गए थे। कई घर अपने आप ही गिर गए थे और कई घरों को गिराकर वहां नए घर बना दिए। उसके बाद मलबा तालाब के किनारे डाला गया था।

एक नज़र

हनुमानगढ़ टाउन थाने की घटना

सिपाही से चली गोली, बाल बाल बचा रितिक बॉक्सर

पुलिस अधीक्षक ने सिपाही को किया लाइन हाजिर, मामले की जांच शुरू

हिलव्यू समाचार
हनुमानगढ़। जिले के टाउन थाना में उस वक्त हड़कंप मच गया जब कांस्टेबल की राइफल से गोली चली। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। यह गोली उस समय चली, जब फिरौती के मामले में रिमांड पर लाया गया गैंगस्टर रितिक बॉक्सर नहा रहा था।

इस मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। कांस्टेबल को तुरंत ही लाइन हाजिर कर दिया। पुलिस ने पहले तो इस घटना को दबाए रखा। लेकिन जब लापरवाही बरतने वाले सिपाही को लाइन हाजिर किया गया तब इसका खुलासा हुआ। सूत्रों के मुताबिक घटना तीन दिन पहले गुरुवार की बताई जा रही है। हनुमानगढ़ टाउन के चिकित्सक पारस जैन से 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने के मामले में टाउन पुलिस ने रितिक को गिरफ्तार कर किया है। रितिक बॉक्सर के नहाते समय सुरक्षा में तैनात कांस्टेबल राकेश ढाका से गोली चल गई। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि गोली चलना एक हादसा था या साजिश। इसके अलावा यह मामला इसलिए भी संदेह के घेरे में है कि पुलिस ने मामले को तीन दिन तक दबाए क्यों रखा? पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रितिक बॉक्सर कई दिनों से नहाया नहीं था। उसके नहाने के दौरान उसकी सुरक्षा में तैनात कांस्टेबल राकेश ढाका से अचानक गोली चल गई।

फिरौती के मामले में पांच बदमाश गिरफ्तार

एक करोड़ की फिरौती के मामले में गिरफ्तार बदमाश रितिक बॉक्सर को हनुमानगढ़ के डॉ. पारसमल जैन से एक करोड़ की फिरौती मांगने के मामले में रिमांड पर लिया हुआ है। डॉ. पारस ने 27 जनवरी को टाउन थाना में केस दर्ज कराया था। टाउन थाना प्रभारी दिनेश सारण के अनुसार फिरौती के इस मामले में रितिक बॉक्सर समेत 5 बदमाशों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इससे पहले रहमान उर्फ बबलू (18) पुत्र भार अली निवासी वार्ड पांच नई खुंजा, हनुमानगढ़ जंक्शन, चंदन सिडाना (19) पुत्र राकेश कुमार अरोड़ा निवासी सहजीपुरा, हनुमानगढ़ हाल मां अम्बे वैली कॉलोनी हनुमानगढ़ जंक्शन, डॉ। जैन की रैकी करने वाले मणिशंकर उर्फ मणिया उर्फ मणिसिंह (46) पुत्र गुरदेव सिंह निवासी वार्ड 1, गांव सतीपुरा को गिरफ्तार कर जेल भिजवा चुकी है।

कई लोगों पर गाज गिरने की संभावना

कांस्टेबल राकेश ढाका को लाइन हाजिर करने के बाद हनुमानगढ़ पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि अभी मामले की जांच की जा रही है कि गोली लापरवाही से चली या जानबूझकर चलाई गई। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। गोली चलने का यह मामला पुलिस महकमे में चर्चा का विषय बना हुआ है।

कांग्रेस कार्यालय के बाहर लगाए गए मंत्री जाहिदा के खिलाफ विवादित पोस्टर

शिक्षा राज्य मंत्री पर ट्रांसफर के नाम पर पैसे लेने का आरोप

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय के बाहर मंगलवार सुबह नेताओं के होर्डिंग्स पर कोई व्यक्ति सरकार की मंत्री जाहिदा खान के खिलाफ तीन अलग-अलग पोस्टर चस्पा कर गया।

इसमें मंत्री पर ट्रांसफर के नाम पर तीन लाख रुपए लेने के आरोप लगाया गया है। शिक्षा राज्यमंत्री जाहिदा खान पर ट्रांसफर के नाम पर तीन लाख रुपए लेने और वापस नहीं लौटने के आरोप लगे यह पोस्टर देख एक बार तो पीसीसी के कर्मचारी भी सकते में आ गए। कर्मचारियों ने इसकी जानकारी कांग्रेस पदाधिकारियों को दी और आनन-फानन में तुरंत इन पोस्टर्स को फाड़ा।

कर्मचारियों ने बताया कि ऑफिस के बाहर लगे होर्डिंग्स पर कोई रात में या जल्द सुबह विवादित पोस्टर चिपका गया। तीनों पोस्टर्स पर अलग-अलग नाम से गुहार लगाई गई थी। कागजी पोस्टर्स पर हाथ से ही लिखा हुआ था कि "मुख्यमंत्री जी ट्रांसफर के नाम पर लिया मंत्री जाहिदा खान से मेरे तीन लाख दिला दो।' निवेदक- एक गरीब किसान का बेटा। इसी तरह एक और पोस्टर दूसरे होर्डिंग पर चिपका हुआ था। जिस पर लिखा था "प्रभारी रंधावा जी मंत्री जाहिदा खान से हमारे पैसे दिला दो।' इसी तरह एक और तीसरा पोस्टर चिपकाया गया, जिस पर लिखा था "राजस्थान सरकार की सबसे भ्रष्ट मंत्री जाहिदा खान विधायक कामां। निवेदक- दुखी शिक्षक।'

शिक्षा विभाग और भ्रष्टाचार के आरोप, चोली-दामन का साथ

शिक्षा विभाग में तबादलों को लेकर अक्सर भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहते हैं। शिक्षा विभाग के एक कार्यक्रम में दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के तबादलों में भ्रष्टाचार को लेकर पूछा गया था। इस पर सार्वजनिक तौर पर ही शिक्षकों ने तबादलों में भ्रष्टाचार की बात कह डाली थी। माना जाता है कि सरकार में शिक्षकों के तबादले और भ्रष्टाचार के आरोपों का चोली-दामन का साथ है। तबादलों को लेकर कोई साफ पॉलिसी नहीं होने से करप्शन के आरोप लगते रहते हैं। राजनीतिक सिफारिशों के आधार पर तबादले होते हैं। प्रदेश में ग्रेड थर्ड टीचर्स लंबे समय से तबादलों की मांग कर रहे हैं। उनके अब तक तबादले नहीं होने पर भी कई बार असंतोष सामने आ चुका है।

पूर्व मुख्यमंत्री की कोटा में रैली, गहलोत सरकार पर बोला हमला

ERCP परियोजना को कांग्रेस ने आते ही लगा दिया ब्रेक: राजे

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे रविवार को कोटा के शंभूपुरा में पहुंची। जहां पर भाजपा की महारैली को संबोधित किया। इस दौरान राजे ने प्रदेश की गहलोत सरकार पर जमकर हमला बोला और कहा कि राजस्थान में विकास केवल भ्रष्टाचार, दलित, महिला, अत्याचार और बेरोजगारी का हुआ है।

साथ ही आरोप लगाए कि प्रदेश के 13 जिलों की किस्मत ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट के जरिए बदलने की हमने कोशिश की थी, लेकिन अशोक गहलोत सरकार के आते ही उस पर भी ब्रेक लग गया। वहीं मध्यप्रदेश में इसी योजना के आगे के चरण में 3 बांध भी बना लिए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का सपना नदी जोड़ने की योजना के तहत हमने यह योजना बनाई थी। कांग्रेस सरकार ने राजनीति में उलझाकर इसे छोड़ दिया। राजे बोलीं कि हमारे शासन में इसी क्रम में झालावाड़ में आहू और चंवली नदी को भी जोड़ा था। इससे झालावाड़ के 31 गांव लाभांवित हुए थे। राजे ने आरोप लगाते हुए कहा कि बारां जिले की परवन परियोजना में भी राहुल गांधी को बुलाकर सितंबर 2013 में शिलान्यास करवा दिया गया। लेकिन कांग्रेस के 5 साल में कोई काम नहीं हुआ है। इस योजना के जरिए 2 लाख बीघा जमीन और 950 गांवों को पानी का आज भी इंतजार है। हमारे जल स्वालंबन योजना के चलते आज गांवों और कस्बों में भी पानी पहुंच गया है। राजे ने राज्य सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि राज्य में योजनाओं को बदलने और कांग्रेस के आपसी झगड़े का विकास हुआ है।

प्रदेश का नहीं, कांग्रेस का विकास हुआ

राजे ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के शासन में विकास तो हुआ पर राजस्थान का नहीं कांग्रेस का। भ्रष्टाचार का, महिला और दलित अत्याचार का, बेरोजगारी का। पूरा प्रदेश गहलोत सरकार से छुटकारा पाना चाह रहा है, क्योंकि यह सरकार अधिकांश कागजों, बयानों, निर्देशों, आपसी झगड़ों और होटलों में ही दिखाई दी। हमने मुफ्त इलाज के लिए भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू की। उसका नाम बदल कर इन्होंने चिरंजीवी स्वास्थ्य कर दिया।

हम चुनाव ही नहीं... दिल भी जीतते हैं

राजे ने कहा है कि हम सिर्फ चुनाव ही नहीं लोगों का दिल भी जीतते हैं। अब समय आ गया है हर बूथ पर जाएं और लोगों का दिल जीतें। प्रदेश में भाजपा और देश में मोदी की भाजपा सरकार बनाएं। सीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पंक्तियां बोलते हुए कहा कि विश्वास कीजिए अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा। राजे ने पूर्व पीम की कविता से भाषण की शुरुआत की। यह रैली कोटा में पूर्व विधायक प्रह्लाद गुंजल की ओर से आयोजित हुई थी।

महिला आरक्षण में अटकाया पेच

राजे ने कांग्रेस पर वार करते हुए कहा कि देश में पहली बार हमने महिलाओं को पंचायत राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। नगर निकाय चुनाव में भी 50 प्रतिशत आरक्षण दे रहे थे, पर कांग्रेस अदालत में चली गई और महिलाओं का यह आरक्षण रुक गया। सभा में मौजूद सांसद दुष्यंत सिंह, पूर्व विधायक भवानी सिंह सहित भाजपा विधायक, सांसद और पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस में नियुक्तियों को लेकर कवायद जारी

इसी सप्ताह संगठनात्मक नियुक्तियां संभव

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश कांग्रेस संगठन में नियुक्तियों को लेकर पार्टी की दिल्ली में कवायद चल रही है। माना जा रहा है कि आलाकमान जल्द ही प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों के नामों का ऐलान कर सकता है। इसी को लेकर पीसीसी चीफ डोटासरा का सोमवार को दिल्ली जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों की माने तो इसी सप्ताह संगठनात्मक नियुक्तियां संभव होंगी। डोटासरा का दिल्ली में संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात का कार्यक्रम प्रस्तावित है। जहां पर प्रदेश संगठन की नियुक्तियों को लेकर चर्चा होगी। इस मामले में पहले राजस्थान में कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी मुलाकात की थी। पिछली बार नई दिल्ली में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के घर बैठक हुई थी। जिसमें रंधावा सहित तीनों सह प्रभारी और डोटासरा ने भाग लिया था। इस बैठक में राजस्थान से जुड़े कई मुद्दों, संगठन एवं आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर फीडबैक दिया गया था। अब माना जा रहा है कि डोटासरा की होने वाली मुलाकात के बाद प्रदेश में जल्द ही ऐसे जिले जहां पर जिलाध्यक्ष सहित अन्य पदों पर नियुक्तियां नहीं हुई हैं, वहां पर पदाधिकारियों के नामों पर अंतिम मोहर लगेगी और सूची जारी होगी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने विपक्ष पर खड़े किए सवाल

'पीएम मोदी देश हित में काम करेंगे, यूसीसी देश की समृद्धि के लिए'

हिलव्यू समाचार
जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने अपनी नई कार्यकारिणी को विजय संकल्प टीम राजस्थान का नाम दिया है। जोशी ने कहा कि टीम में पुराने अनुभवी और नए ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को जगह दी गई है।

भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन के लिए काम करता है, चाहे वो किसी पद पर हों या ना हों। कार्यकारिणी में कुछ वर्गों को छोड़ने के सवाल पर उन्होंने नई कार्यकारिणी को सभी वर्गों और महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने तथा सोशल इंजीनियरिंग का समावेश बताया। साथ ही कहा कि अभी मोर्चों सहित दूसरे प्रकोष्ठों की कार्यकारिणी बननी बाकी है। जो रह गए हैं, उन्हें इसमें शामिल किया जाएगा। रविवार को नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी पदाधिकारियों का प्रदेश कार्यालय में स्वागत हुआ। वहीं जोशी ने रविवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि यूसीसी वर्तमान में देश के विकास और समृद्धि के लिए है। जो देशहित में होगा, मोदी सरकार वहीं काम करेगी।

भारत के संविधान में सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार का उल्लेख किया गया है। ऐसे में देश में दोहरी व्यवस्था कैसे चल सकती है। तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति से कदापि देश का विकास नहीं हो सकता। भाजपा समाज के सभी वर्गों को उन्नत बनाना चाहती है। कोई भी वर्ग अपनी मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए।

विरोध करने की खा रखी है कसम

जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विचार और काम देश को समृद्धि को आधार देंगे, लेनिक कुछ पार्टियों ने कसम खा रखी है कि भाजपा देशहित में कोई भी फैसला ले, तो उसका विरोध करना है। विपक्ष को यह नहीं पता कि देश की जनता का मिजाज क्या है? अनुच्छेद 370 हटाने का काम क्या पहले नहीं हो सकता था। क्या वन नेशन, वन टैक्स का निर्णय इंदिरा गांधी के समय नहीं हो सकता था। उस समय राजनीतिक लोगों को लगा कि देश से पहले पार्टी है। कहीं पार्टी का वोटबैंक ना चला जाए। भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी ने नेशन फर्स्ट को लेकर काम किया है। तभी तो देश की जनता का विश्वास भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार पर है।

महिलाएं उतरेंगी सरकार के विरोध में

जोशी ने कहा कि भ्रष्ट, नाकारा, जंगलराज, पेपर लीक और झांसेबाज कांग्रेस सरकार के खिलाफ आगामी पांच जुलाई को महिला मोर्चा जयपुर की सड़कों पर थाली नाद के साथ विरोध-प्रदर्शन करेगी। वहीं आगामी 12 जुलाई को झुंझनूं में कर्जमाफी का झूठा वादा करने वाली सरकार के खिलाफ किसान प्रदर्शन करेंगे। इसके अलावा बेरोजगारी भत्ता नहीं मिलने और पेपर लीक के खिलाफ युवा अजमेर में विरोध जताएंगे।

माइक छीनने पर राठौड़ ने दी सफाई

बीते दिनों जोधपुर के बालेसर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सभा में पूर्व विधायक बाबू सिंह के हाथ से माइक छीन लेने की घटना पर नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने सफाई दी। रविवार को राठौड़ ने कहा कि बाबू सिंह भी हमारे हैं और गजेंद्र सिंह भी हमारे हैं। आप सिंहों में अंतर नहीं कर पाओगे। राठौड़ ने कहा कि इस बात को गुटबाजी के रूप में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि जब मुख्य अतिथि का भाषण के लिए नाम पुकारा जाता है, तो उन्हीं का उद्बोधन होता है। इससे पहले उन्होंने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला। राठौड़ ने कहा कि खुद जोधपुर का विकास मुख्यमंत्री नहीं करवा पाए। आज भी जब बारिश होती है, तो यहां सबसे ज्यादा पानी का भराव होता है। ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से बिगड़ा हुआ है।

आ रही टीनू की एक्शन से भरपूर मलयालम फिल्म 'चावेर'...

कोच्चि। मलयालम फिल्म मेकर टीनू पप्पाचन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'चावर' का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी हो गया है। पोस्टर में पत्थर से बनी मूर्तियां दिखाई गई हैं, जिनमें कुंचको बोबन, अर्जुन अशोकन और एंटनी वर्गीस पेपे को दर्शाया गया है। कुंचको का चरित्र दूसरों के ऊपर प्रमुखता से खड़ा है, जबकि उसके बगल में स्थित एक पेड़ उसके भीतर परोपकारी गुणों की उपस्थिति का सुझाव देता है। अर्जुन का चरित्र गहन दिखाई देता है, जबकि एंटनी के चरित्र को शांति से दूसरे पक्ष का अवलोकन करते हुए चित्रित किया गया है। वेणु कुन्नापिल्ली और अरुण नारायण द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, फिल्म की पटकथा प्रसिद्ध अभिनेता जॉय मैथ्यू द्वारा लिखी गई है।

लाइफ Style

सोनम

पहली भारतीय

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेता अनिल कपूर की बेटी और बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने फैशन को लेकर जानी जाती हैं। एक्ट्रेस कई लग्जरी ब्रांड्स की एंबेसडर और कई जाने-माने फैशन डिजाइनर के लिए शो-स्टॉपर भी रही हैं।

इस बीच खबर है कि सोनम जल्द ही डियॉर फैशन शो में नजर आने वाली हैं। इस बार डियॉर के ऑटम-विंटर शो पेरिस में आयोजित हो रहा है,जहां सोनम भी इस इवेंट का हिस्सा होगीं। वह इकलौती ऐसी इंडियन एक्ट्रेस हैं, जिन्हें इस इवेंट में बुलाया गया है। अभिनेत्री तीन जुलाई 2023 को पेरिस में ग्लैमरस अंदाज में रैम्प वॉक करती नजर आएंगी।

बता दें कि सोनम आखिरी बार पेरिस फैशन वीक में का हिस्सा बनी थीं। वहीं, सन 1962 के बाद इस साल मार्च में भारत में पहला डियॉर का फैशन शो हुआ था। शो गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित किया गया था। इस इवेंट में अनुष्का शर्मा, विराट कोहली, अनन्या पांडे, अर्जुन कपूर समेत कई सितारों ने रैम्प वॉक कर काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम कपूर फिल्म 'ब्लाइंड' से फिर एक बार वापसी कर रही हैं। उनकी यह फिल्म सात जुलाई 2023 को जियो सिनेमा पर रिलीज होगी। इस फिल्म में सोनम एक अंधी महिला का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में उनके अलावा विपुल रॉय, लिलेट दुबे और विनय पाठक भी मुख्य किरदार में हैं।

हॉलीवुड मसाला

बीता दशक रहा बुरा वक्त

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड स्टार क्लोई कार्दशियन एक फेमस अमेरिकन मीडिया पर्सनैलिटी हैं, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में एक टीवी सीरीज 'कीपिंग अप विद कार्दशियन' से की थी। क्लोई सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और वह अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती नजर आ जाती हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने खुलासा किया कि अभिनेत्री अपने 40 के दशक में जाने के लिए उत्साहित है। साथ ही अभिनेत्री ने यह भी बताया कि 30 का दशक उनके लिए सबसे बुरा रहा है।

हिंदी फिल्म देखने की शौकीन हैं ...

चेन्नई। दक्षिण भारत की लेडी सुपरस्टार कहलाने वाली नयनतारा जल्द ही शाहरुख खान की फिल्म के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। एटली की पहली हिंदी फिल्म 'जवान' में वह एक अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। यह पहला मौका होगा जब अभिनेत्री किंग खान के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। फिल्म को लेकर लोगों के बीच लगातार चर्चाएं चल रही हैं। इस बीच नयनतारा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपनी फेवरेट मूवी का जिक्र करती हुई नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस छोटे से वीडियो क्लिप में नयनतारा हिंदी फिल्में देखने के बारे में बात करती नजर आ रही हैं। इस दौरान वह अपनी ऑल टाइम फेवरेट फिल्म को लेकर भी खुलासा करती दिख रही हैं।

दुलकर ने शेयर किया भावुक पोस्ट...

मुंबई। कई सुपरहिट मलयालम और बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके अभिनेता दुलकर सलमान यूं तो अमूमन अपनी फिल्मों को लेकर चर्चा में रहते हैं, लेकिन अब वह अपने एक पोस्ट के कारण लोगों के बीच सुर्खियों में हैं। साथ ही इस पोस्ट को देख उनके फैंस खासे चिंतित भी हो गए हैं। इस पोस्ट में नम आंखों से दुलकर ने बताया कि वो कई दिनों से सोए नहीं हैं जिसे देखने के बाद उनके फैंस टेंशन में आ गए। हाल ही में दुलकर सलमान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया था जिसमें उन्होंने बताया कि मैं कई दिनों से सोया नहीं हूं पर मैं लाउड नहीं हूं। इस दौरान उनकी आंखे नम नजर आ रही थीं। हालांकि कुछ देर बाद ही उन्होंने अपना ये पोस्ट डिलीट कर दिया लेकिन बाद में उन्होंने अपनी इस पोस्ट को डिलीट कर दिया।

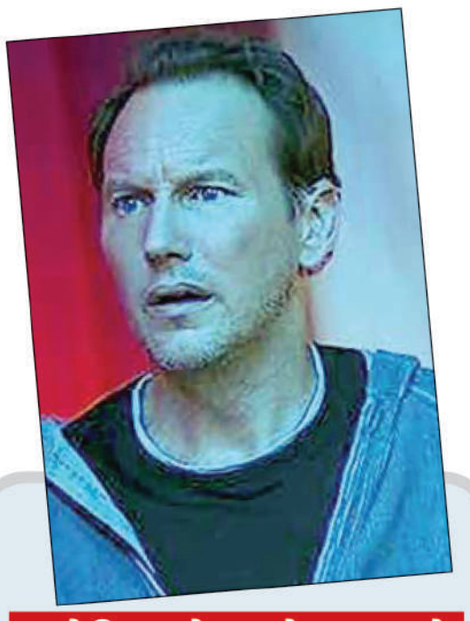

अमेरिका से पहले भारत में रिलीज होगी इनसिडियस...

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड की हॉरर फिल्म इनसिडियस द रेड डोर को लेकर खबर आ रही है कि यह फिल्म अमेरिका से एक दिन पहले भारत में रिलीज होगी। इस फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर नजर आने वाले अभिनेता पैट्रिक विल्सन इसके जरिए निर्देशन में भी अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म की कहानी लैम्बर्ट परिवार पर आधारित है जो उनको डराकर रख देने वाली घटना के वर्षों बाद भी जारी है। इनसिडियस के मूल कलाकार पैट्रिक विल्सन, टाइ सिम्फिंस, रोज बायरन और एंड्रयू एस्टोर हैं। इसमें सिंक्लेयर डेनियल और हियाम अब्बास भी हैं। यह फिल्म जेसन ब्लम, ओरेन पेली, जेम्स वान और लेह व्हेननेल द्वारा निर्मित है। स्क्रीनप्ले स्कॉट टेक्स के जरिए लेह व्हेननेल की एक कहानी से लिखी गई है, जो लेह व्हेननेल के जरिए बनाए गए किरदारों पर आधारित है। भारत में यह फिल्म 6 जुलाई 2023 को आधी रात में 12 बजे रिलीज की जाएगी।

टीवी मसाला

बिग बॉस 16 कंटेस्टेंट श्रीजिता ने माइकल संग रचाई शादी

मुंबई। अभिनेत्री और 'बिग बॉस 16' की कंटेस्टेंट श्रीजिता डे ने एक जुलाई को जर्मनी में अपने लॉंग टाइम बॉयफ्रेंड माइकल ब्लोहम-पेप से शादी रचा ली है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर शादी की तस्वीरें साझा करके आधिकारिक तौर पर अपनी शादी की घोषणा की। रविवार को, श्रीजिता ने अपनी चर्च शादी की तीन तस्वीरें साझा की हैं, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस सफेद दुल्हन के गाउन में बला की खूबसूरत लग रही हैं और माइकल काले सूट में बहुत आकर्षक लग रहे हैं। दोनों ने एक-दूसरे से परिवार के सदस्यों और कुछ दोस्तों की मौजूदगी में शादी की है। श्रीजिता ने को शेयर कर कैप्शन में लिखा, आज हम हाथों में हाथ डालकर हमेशा के लिए शुरुआत का जश्न मना रहे हैं। जैसे ही अभिनेत्री ने पोस्ट डाला, कई अभिनेताओं और उनके पूर्व बिग बॉस हाउसमेट्स ने उन्हें नई शुरुआत के लिए बधाई दी। अर्चना गौतम ने लिखा, ₹बधाई हो यारा।₹ शिव ठाकरे ने स्टारस्ट्रक इमोजी के साथ लिखा, ₹बधाई हो₹। सिमरन भुट्टुप ने लिखा, वाह, यह बहुत सुंदर है। नई शुरुआत के लिए बधाई और शुभकामनाएं।

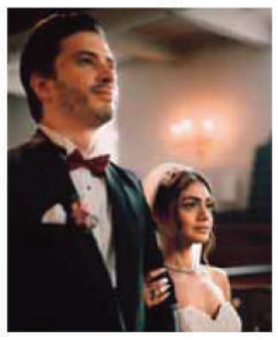

जद हदीद पर बरसीं पलक

मुंबई। टीवी की जानी मानी अभिनेत्री पलक पुरसवानी हाल ही में 'बिग बॉस ओटीटी 2' का हिस्सा बनी थीं। 'बिग बॉस ओटीटी 2' में पलक की जर्नी काफी छोटी रही। अभिनेत्री पहले ही दिन घर से बेघर हो गई थीं। सलमान के इस शो में पलक के साथ उनके एक्स बॉयफ्रेंड अविनाश सचदेवा भी साथ नजर आए। अब घर से बाहर आने के बाद अभिनेत्री ने जद हदीद के अपमानजनक व्यवहार पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बिग बॉस ओटीटी 2 की एलिमिनेटेड प्रतियोगी पलक पुरसवानी ने शो से जुड़े ताजा विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। हाल ही के एक एपिसोड में, प्रतियोगी जद हदीद ने घर की सदस्य बेबिका धुर्वे के साथ लड़ाई के दौरान बेहद अपमानजनक व्यवहार किया था। उनके इस व्यवहार के चलते बिग बॉस के घर में काफा हंगामा हुआ था। इसपर अब पलक ने भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पलक ने अपने ट्विटर पर लिखा,'बिग बॉस के घर में अभी क्या हुआ? यह बिल्कुल भी सराहनीय नहीं है, जद हदीद। मैं इस व्यवहार की कड़ी की निंदा करती हूं और अनुरोध करती हूं कि आवश्यक कार्रवाई की जाए।'

फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' दस्तक देने तैयार...

मुंबई। अनुराग बासु हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं। उनके निर्देशन में बनी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही हैं। गैंगस्टर से लेकर मर्डर तक के लिए उन्हें आज भी याद किया जाता है। इन्हीं में से एक फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो भी थी, जिसकी वजह से वह लोगों के दिलों में अलग मुकाम हासिल करने में कामयाब रहे थे। फिल्म में धर्मेंद्र, शिल्पा शेट्टी, इरफान खान, कोंकणा सेन शर्मा, कंगना रणौत और शरमन जोशी जैसे शानदार कलाकार थे। अब 15 साल बाद, निर्देशक एक बार फिर मेट्रो शहर की कहानियों को दोहराने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

2022 के दिसंबर में उन्होंने आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख की स्टार कास्ट के साथ मेट्रो इन दिनों की घोषणा की थी। एलान के बाद से ही फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

दरअसल, फिल्म की रिलीज डेट अब तय हो गई है। जानकारी के अनुसार अब यह गुड फ्राइडे के मौके पर रिलीज होगी। मेट्रो...इन दिनों को 29 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की तैयारी की जा रही है।

'कैरी ऑन जट्टा 3' के खिलाफ शिकायत दर्ज और 'डॉन' खेलेगा तीसरी पारी ...

मुंबई। मनोरंजन की दुनिया से हर रोज कोई न कोई बड़ी खबर सामने आती है। इंडस्ट्री से जुड़े सितारे रोजाना किसी न किसी वजह से चर्चा में बने रहते हैं। कोई अपनी आने वाली फिल्मों की रिलीज को लेकर, तो कोई अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहता है।

'डॉन 2' के बाद अब तीसरे भाग की तैयारी : फरहान अख्तर की 'डॉन' एक काल्पनिक भारतीय अंडरवर्ल्ड सरगना पर केंद्रित फ्रेंचाइजी है। वर्ष 2006 में 'डॉन' और वर्ष 2011 में इसका सीक्वल 'डॉन 2' रिलीज किया गया। दोनों फिल्मों की सफलता के बाद मेकर्स इसकी तीसरी किस्त बनाने की योजना कर रहे हैं। तीसरे पार्ट का नाम 'डॉन 3: चेंज एंड्स' होने वाला है। हालांकि, इस पार्ट में डॉन की भूमिका में नजर आने के लिए शाहरुख खान की जगह रणवीर सिंह का नाम सामने आ रहा है। इसी को लेकर आया नया अपडेट जबर्दस्त सुर्खियां बटोर रहा है।

अल्लू की फिल्म डायरेक्ट करेंगे त्रिविक्रम : साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'पुष्पाः द रूल' यानी 'पुष्पा 2' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। वहीं, एक्टर इसके बाद एक और बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अल्लू की अगली फिल्म का डायरेक्शन त्रिविक्रम के जरिए किया जाएगा। इससे पहले दोनों 'एसओ सत्यमूर्ति' (2015), और ब्लॉकबस्टर 'अला वैकुंठपूर्मुलु' (2020) में साथ काम कर चुके हैं।

कैरी ऑन जट्टा 3 फिल्म 'कैरी ऑन जट्टा : 3' के निर्देशक और कलाकारों के खिलाफ शिवसेना हिंद की युवा कमेटी के अध्यक्ष इशांत शर्मा और पंजाब शिवसेना (टकसाली) के अध्यक्ष सुनील कुमार बंटी ने जालंधर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। तो चलिए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है।

वरुण धवन-एटली ने मिलाया हाथ : मई 2023 में खबर आई कि वरुण धवन ने एक एक्शन एंटरटेनर के लिए एटली और निर्माता मुराद खेतानी के साथ हाथ मिलाया है। वहीं, अब इस खबर पर पक्की मुहर लग गई है। इतना ही नहीं खुद वरुण धवन ने पोस्ट कर इस अनटाइटल्ड फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा हटाया है।

प्रसिद्ध संगीतकार रामलाल ने वी शांताराम प्रोडक्शन के अलावा बाहर की फिल्मों में भी दिया संगीत

'सेहरा' से मिली संगीत को ऊंचाई लेकिन निजी जिंदगी में मुफलिसी का रहा साथ

जब जब वी. शांताराम प्रोडक्शन के बैनर तले बनी 'सेहरा' और 'गीत गाया पत्थरों ने' की बात होगी तो सबसे पहले जिक्र इसके संगीत का होगा। इन दोनों फिल्मों का कालजयी संगीत रचा था रामलाल ने। रामलाल बांसुरी और शहनाई वादन के कारण फिल्म संगीतकार बनने से पहले ही प्रसिद्ध हो गए थे। लेकिन उनके संगीत को ऊंचाईयां इन दोनों फिल्मों से ही मिली। हालांकि तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि रामलाल का संगीत तो जन-जन के बीच मशहूर हो गया लेकिन खुद रामलाल बेहद मुफलिसी में दिन गुजारते रहे। 15 अगस्त 1922 को बनारस में जन्में रामलाल ने झांसी की रानी, मुगले आजम, नवरंग जैसी कई फिल्मों में शहनाई-बांसुरी बजाने के अलावा रानी रूपमती के प्रसिद्ध गीत, 'आ लौट के आ जा मेरे मीत' में शहनाई वादन भी किया था।

कल थी पुण्यतिथि

मुंबई। रामलाल सन 1944 में बंबई आकर पृथ्वी थिएटर्स में संगीतकार राम गांगुली के सहायक रहे। आग के कई गीतों में रामलाल की बजाई बांसुरी गूंजी थी। 'जिंदा हूं इस तरह' में उन्होंने पहली बार किसी फिल्मी गीत के लिए बांसुरी बजाई। वी. शांताराम ने उन्हें 200 रुपये महीने के पारिश्रमिक पर अपने यहां नियुक्त कर लिया। रामलाल ने शांताराम की सभी फिल्मों में बांसुरी और शहनाई वादन किया। शिवराम, वसंत देसाई, नौशाद, सी. रामचंद्र, आर.सी. बोराल, गुलाम मोहम्मद जैसे कितने संगीतकारों के साथ उन्होंने वादन किया। 'गूंज उठी शहनाई' में बिस्मिल्ला खां से कहीं अधिक उनकी शहनाई बजी थी।

फिल्मों में संगीत देने का सिलसिला उन्होंने पीएल संतोषी की राज कपूर, वैजयंतीमाला अभिनीत फिल्म तांगावाला (1950) से शुरू किया पर यह फिल्म रिलीज नहीं हुई। संगीत-समीक्षक योगेश यादव के अनुसार एक कान में हीरा दूसरे में पन्ना पहनने के कारण रामलाल अपने नाम के साथ-साथ 'हीरा-पन्ना' भी लगाते थे। नकाबपोश (1956) और शकीला-महीपाल अभिनीत हुस्नबानो (1956) में संगीतकार के रूप में उनका नाम आया। दरअसल, अप्रदर्शित तांगावाला के गीतों को ही रामलाल ने हुस्नबानो में फिर इस्तेमाल किया था। लता के गाए 'प्यार करने का आया बहाना' को लोकप्रियता मिली थी। यह फिल्म कानपुर में 28 हफ्ते चली थी। पर सुधा मल्होत्रा के 'हम तुम्हारे हैं तलबगार तुम्हें क्या मालूम', आशा के 'या नबी सलाम अलैका' या 'मुझसे नजरें मिलाना संभाल के' जैसे गीत असर पैदा करने में विफल रहे। इसी प्रकार धूमी खान के साथ संगीतबद्ध नकाबपोश (1956) के अरबी ऑर्केस्ट्रेशन वाले 'ओ रे दिलवाले' (आशा) और हसरत जयपुरी लिखित 'ऐ रात तेरे साथी हैं चांद और तारे' (आशा) को खास सफलता नहीं मिली। रामलाल हीरा-पन्ना की संगीतबद्ध बाबूभाई मिस्त्री निर्देशित नागलोक (1957) के 'जो सबको नचाए' (लता, साथी), 'ये अबला करे पुकार' (लता), 'चंद्रनाथ नाथ भोले' (आशा, रफी, साथी), 'चाहे विधाता बैर निकाले' (आशा), 'घर आग सती के लागी' (आशा) जैसे धार्मिक गीतों को तात्कालिक लोकप्रियता ही मिल पाई। बाबू भाई मिस्त्री की ही माया मच्छेंद्र (1960) में पुनः रामलाल हीरा-पन्ना को संगीतकार लिया गया था। इस फिल्म में लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल उनके सहायक थे!

फिल्म में महेंद्र कपूर के गाए 'यह वह धरती है जहां भगवान मिले' में चारों धामों के वर्णन, लता के गाए उतार-चढ़ाव वाले गीत, 'आया रे आया रे मेरे मन का चांद', 'जब से नैना ये लड़े हैं', 'रुन झुन पायल झनके' (रफी के साथ), 'जादू नगरी से नहीं जाना हो रसिया' (उषा मंगेशकर के साथ) गीत लोकप्रिय नहीं हो सके थे। रामलाल एक ही टेक में गीत रेकॉर्ड करा लेते थे। 'जब से नैना ये लड़े' ऐसा ही गीत है। रामलाल की यादगार फिल्मों में रहीं, व्ही. शांताराम की सेहरा (1963) और गीत गाया पत्थरों ने (1964)। यह रामलाल की अंदरूनी संगीत-प्रतिभा का ही कमाल था कि विफलताओं के बावजूद व्ही. शांताराम ने अपनी फिल्म के लिए उन्हें चुना। सेहरा के सभी गीतों के शब्द धुनों के बाद लिखे गए। सेहरा (1963) के 'पंख होते तो उड़ आती रे' (लता) से रामलाल अमर हो गए।

राग भूपाली के ऊंचे सुरों के इस गीत की गिनती लता के सर्वश्रेष्ठ गीतों में होती है। गीत का प्रारंभ ही आलाप के अद्भुत नियंत्रण से होता है। पूरे गीत में समय-समय पर आलाप और इंटरल्यूड्स में जलतरंग का बेहतरीन उपयोग रामलाल ने किया था। एक ओर भूपाली के बेजोड़ आलाप रूप सुर थे तो दूसरी ओर राग देस में सुरों का उतार-चढ़ाव और हवाईयन (हवाई द्वीप) गिटार के साथ 'तकदीर का फसाना जाकर किसे सुनाएं' (लता, रफी) शिद्दत से मन-मस्तिष्क में फैल जाता है। वहीं तीसरी ओर मारू विहाग बड़ी नाजुक-सी रूमानियत के साथ 'तुम तो प्यार हो सजना' (लता, रफी) में सदाबहार हो गई है।

विंबलडन: अल्कराज और रयबाकिना ने दूसरे दौर में बनाई जगह

जेरेमी चार्डी और पेड्रो कैचिन पराजित

लंदन, एजेंसी। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज और कजाकस्तान की एलेना रयबाकिना ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर विंबलडन के दूसरे दूसरे दौर में जगह बनाई।

स्पेन के अल्कराज ने पहले दौर में फ्रांस के जेरेमी चार्डी को सीधे सेटों में 6-0, 6-2, 7-5 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। अल्कराज तीसरी बार विंबलडन में भाग ले रहे हैं। इससे पहले वह कभी ऑल इंग्लैंड क्लब में चौथे दौर से आगे नहीं बढ़ पाए हैं, लेकिन इस बार उन्हें इस ग्रासकोर्ट ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में नोवाक जोकोविच के आठवें खिताब की राह में सबसे बड़ा खतरा माना जा रहा है। सात बार के चैंपियन जोकोविच ने सोमवार को बारिश से प्रभावित मैच में पेड्रो कैचिन को 6-3, 6-3, 7-6 (4) से हराया था। इस बीच महिला वर्ग में अस्वस्थ होने के कारण पिछले सप्ताह ईस्टबोर्न इंटरनेशनल से हटने वाली एलेना रयबाकिना ने पहला सेट गंवाने के बाद अपनी सर्विस में सुधार किया और शेल्बी रोजर्स को 4-6, 6-1, 6-2 से हराया।

सेंटर कोर्ट पर हुआ रोजर फेडरर का सम्मान

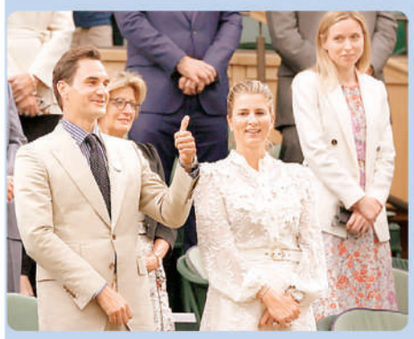

20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता रोजर फेडरर विंबलडन ओपन 2023 के दूसरे दिन मंगलवार को अपने पसंदीदा मैदान पर पहुंचे जहां उन्होंने रिकॉर्ड आठ ग्रैंड स्लैम जीते हैं। पिछले सितंबर में लेवर कप के दौरान लंदन के ओटू एरिना में उन्होंने अपने संन्यास का एलान किया था। मंगलवार को सेंटर कोर्ट पर सम्मानित किया गया। मैच की शुरुआत से पहले स्क्रीन पर वीडियो चलाया गया। जिसमें उनके 2003 में जीते पहले विंबलडन खिताब से लेकर 2017 तक जीते अंतिम ऑल इंग्लैंड क्लब खिताब को दिखाया गया। क्रीम रंग के ब्लेजर में फेडरर ने पत्नी मिरका के साथ रॉयल बॉक्स में अपनी सीट ग्रहण की जहां प्रिंसेस और वेल्स विराजमान थीं। पंद्रह हजार दर्शकों ने खड़े होकर फेडरर का अभिनंदन किया। ऑल इंग्लैंड क्लब में दूसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले फेडरर अपनी पत्नी मिर्का, माता-पिता रॉबी और लिनेट फेडरर और एजेंट टोनी गॉडसिक सेंटर कोर्ट के रॉयल बॉक्स में बैठे थे। इसके बाद फेडरर को सेंटर कोर्ट में बुलाया गया और आठ बार के विजेता का जोरदार स्वागत किया गया। सेंटर कोर्ट के संरक्षकों और सभी दर्शकों ने कई मिनट तक फेडरर की सराहना की और खड़े होकर उनका अभिनंदन किया। फेडरर पिछले साल भी सेंटर कोर्ट के 100 साल पूरे होने के जश्न में शामिल होने के लिए विंबलडन में थे।

वीनस विंबलडन के पहले दौर में हारीं

अमेरिकी धुरंधर वीनस विलियम्स 43 वर्ष की उम्र में 24वीं बार विंबलडन महिला एकल खेलने उतरी लेकिन पहले ही दौर में एलिना स्वितोलिना से 6-4, 6-3 से हार गई। दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी वीनस चोटों के कारण शीर्ष 500 से बाहर हो गई और 2021 के बाद से सिर्फ 22 मैच खेल सकी है। वह इस साल विंबलडन में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी और मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली चौथी सबसे बुजुर्ग खिलाड़ी हैं। स्वितलोना उस समय दो साल की थी जब वीनस ने 1997 में विंबलडन में पदार्पण किया था। अन्य मैचों में अमेरिका की कोको गॉफ को सोफिया केनिन ने 6-4, 4-6, 6-2 से हरा दिया ।

पेनल्टी शूटआउट में जीता भारत, बना चैम्पियन

सैफ चैम्पियनशिप के फाइनल में कुवैत को हराया

नई दिल्ली। भारत ने नौंवी बार सैफ फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में सुनील छेत्री की टीम ने पेनल्टी शूटआउट में कुवैत को 5-4 से हराया।

दरअसल, बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में खेले गए सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में तय समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थी, जिसके बाद मुकाबला एक्सट्रा टाइम में गया। लेकिन एक्सट्रा टाइम में भी दोनों टीमों गोल करने में सफल नहीं हुई। जिसके बाद मैच पेनल्टी शूटआउट तक पहुंचा। भारत सबसे ज्यादा सैफ चैंपियनशिप जीतने वाला देश बन गया है। इस फाइनल मुकाबले के 16वें मिनट में ही कुवैत ने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए 1-0 की बढ़त बना ली थी। वहीं, इसके बाद भारतीय टीम को 17वें मिनट में गोल करने का मौका मिला, लेकिन गोल दागने में कामयाब नहीं हुई. भारत के लिए मैच में पहला गोल लालियानजुआला चांगटे ने किया। कुरुनियन के पास पर सुनील छेत्री ने गोलपोस्ट की ओर समद को गेंद दिया। समद ने कोई गलती किए बिना चांगटे को गेंद पास किया। इसके बाद चांगटे ने कुवैत के गोलकीपर को छकाते हुए शानदार गोल किया। इस तरह 90 तक के तय समय तक 1-1 की बराबरी पर रहा।

गुरप्रीत सिंह बने जीत के तारणहार

भारत को यह जीत गोलकीपर गुरप्रीत सिंह ने दिलाई। उन्होंने पेनल्टी शूटआउट में दम दिखाते हुए कुवैत के कप्तान खालिद अल इब्राहिम को आखिरी शॉट नसीब नहीं होने दिया। तय समय तक 5-5 शॉट के बाद दोनों टीमें 4-4 की बराबरी पर थीं। भारत की ओर से उदांता सिंह और कुवैत की तरफ से मोहम्मद अब्दुल्ला गोल करने से चूक गए थे। दोनों टीमें 4-4 की बराबरी पर थी तब सडेन डेथ की बारी आई। इसमें जो टीम गोल करने दागने से चूक जाती उसे हार का सामना करना पड़ता। सडेन डेथ में भारत के लिए नाओरेम महेश सिंह ने शानदार गोल दागा। लेकिन वहीं, कुवैत के कप्तान खालिद भारत के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह को भेद नहीं पाए और वह गोल करने से चूक गए। अब गोलकीपर गुरप्रीत सिंह टीम इंडिया के हीरो बन गए हैं।

भारतीय कप्तान सुनील छेत्री को गोल्डन बूट और टूर्नामेंट के मोस्ट वैल्यूबल प्लेयर का पुरस्कार मिला

पेनल्टी शूटआउट का रोमांच

भारत	गोल	कुवैत
सुनील छेत्री	1-0	अब्दुल्ला
संदेश झिंगन	2-1	फवाज
चांगटे गोल	3-2	अहमद
उदांता सिंह	3-3	अजीज
सुभाशीष बोस	4-4	शबीब
महेश सिंह	5-4	खालिद

खिताबी जीत के बाद भारतीय कप्तान सुनील छेत्री बोले...

खिताबी जीत के बाद भारतीय कप्तान सुनील छेत्री ने कहा, सिर्फ यह मैच नही बल्कि पूरा टूर्नामेंट शानदार रहा। पूरी टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। मैं इससे ज्यादा उनसे कुछ और नहीं मांग नहीं सकता। हम सात-आठ हफ्तों से एक साथ हैं। लगातार दो पेनल्टी शूटआउट में जीतना आसान नहीं होता। भारत के स्टार गोलकीपर गुरप्रीत सिंह ने कहा, टीम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। एक गोल से पीछे होने के बावजूद हमने वापसी की। वह समय हमारे लिए सबसे कमजोर था। खिलाड़ी ने इसके बाद शानदार वापसी की। कुवैत की टीम 1-1 की बराबरी के बाद किसी तरह मैच को पेनल्टी शूटआउट में ले जाना चाहती थी। पेनल्टी शूटआउट में सबकुछ किस्मत के हवाले होता है।

भारत के 9 खिताब

वर्ष	उपविजेता
1993	श्रीलंका
1997	मालदीव
1999	बांग्लादेश
2005	बांग्लादेश
2009	बांग्लादेश
2011	अफगानिस्तान
2015	अफगानिस्तान
2021	नेपाल
2023	कुवैत

नीदरलैंड और स्कॉटलैंड की उम्मीदें बरकरार

जिम्बाब्वे लगातार दूसरी बार वनडे विश्व कप से बाहर

बुलावायो। स्कॉटलैंड ने क्रिस सोल (33/3) की अगुआई में गेंदबाजों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को वनडे विश्व कप 2023 क्वॉलीफायर के सुपर-6 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 31 रन से हराकर लगातार दूसरी बाहर मुख्य टूर्नामेंट की दौड़ से बाहर कर दिया।

वर्ल्ड कप के लिए क्वॉलीफाई करने के लिए जिम्बाब्वे को यह मैच जीतना जरूरी था। पूरे 5 मैच खेलने के बाद अब जिम्बाब्वे पॉइंटस टेबल में तीसरे नंबर पर आ गया। वहीं, 4 मैच खेलने के बाद स्कॉटलैंड पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर आ गया है। स्कॉटलैंड के अलावा नीदरलैंड वर्ल्ड कप क्वॉलीफिकेशन की रेस में बना हुआ है। नीदरलैंड और स्कॉटलैंड एक दूसरे के खिलाफ आखिरी मुकाबला खेलेंगे। स्कॉटलैंड टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 234 रन ही बना सकी, लेकिन उसने जिम्बाब्वे को 41.1 ओवर में 203 रन पर ऑलआउट कर चौंकाने वाली जीत दर्ज की। इससे पूर्व, जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करते हुए स्कॉटलैंड के किसी बल्लेबाज को बड़े स्कोर की ओर नहीं बढ़ने दिया। लीस्क ने 34 गेंद पर सर्वाधिक 48 रन जबकि मैथ्यू क्रॉस ने 75 गेंद पर 38 रन की पारी खेली। जिम्बाब्वे के लिए विलियम्स ने तीन विकेट लिए। टेंडाई चटारा ने दो और रिचर्ड नगारवा ने एक विकेट हासिल किया। मामूली से दिखने वाले लक्ष्य का पीछा करते हुए सोल की धारदार गेंदबाजी के आगे जिम्बाब्वे ने घुटने टेक दिये। कप्तान क्रेग इर्विन (दो) और शॉन विलियम्स (12) को सोल पवेलियन भेज दिया। सिकंदर रजा (34 रन) और माधेवेरे ने 40 रन बनाए। जबकि रायन बर्ल ने 83 रन बनाए। क्रिस सोल ने सात ओवर में 33 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं ब्रैंडन मैकमुलन और माइकल लीस्क ने दो-दो सफलताएं हासिल कीं।

2019 विश्वकप में भी जगह बनाने में नाकाम रहा था जिम्बाब्वे : जिम्बाब्वे लगातार दूसरी बार विश्वकप में दिखाई नहीं देगी। 2019 में इंग्लैंड में हुए विश्व कप के लिए भी यह टीम क्वॉलीफाई नहीं कर पाई थी। तब 2018 में हुए क्वॉलीफायर्स में इस टीम ने पहले पांच में से चार मुकाबले जीते थे मगर फिर वेस्टइंडीज और यूएई से लगातार दो हार मिली और टीम वर्ल्ड कप से चूक गई।

वनडे रैंकिंग के शीर्ष पर पहुंचने वाली पहली श्रीलंकाई महिला बनीं अटापट्टू

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में दो नाबाद शतक जड़ने के बाद श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू बल्लेबाजों की महिला वनडे रैंकिंग में मंगलवार को शीर्ष पर पहुंच गई। अटापट्टू वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाली श्रीलंका की पहली महिला हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से जारी नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, अटापट्टू 758 रेटिंग पॉइंट के साथ महिला वनडे रैंकिंग के शिखर पर हैं। अटापट्टू छह पायदान चढ़कर ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को हटाकर प्रारूप की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनीं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में नाबाद 108 रन बनाये जिससे श्रीलंका को वर्षाबाधित मैच में 172 रन का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिली। दूसरे मैच में शून्य पर आउट होने के बाद अटापट्टू ने तीसरे निर्णायक वनडे में केवल 80 गेंदों में 140 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर अपनी टीम को 2-1 से सीरीज जिताई। उल्लेखनीय है कि तीसरे वनडे में अपनी तूफानी पारी के दौरान अटापट्टू ने नीलाक्षी डी सिल्वा के साथ तीसरे विकेट के लिए 190 रन की साझेदारी की, जो महिला वनडे में श्रीलंका के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। अटापट्टू के अद्भुत प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने न्यूजीलैंड पर अपनी पहली एकदिवसीय सीरीज भी जीती। अटापट्टू अब 93 एकदिवसीय मैचों में 15 अर्धशतकों के साथ आठ शतक बना चुकी हैं।

इमर्जिंग एशिया कप में धुल होंगे भारत के कप्तान

साई सुदर्शन, रियान पराग, प्रभसिमरन और ध्रुव जुरेल को मौका

मुंबई। युवा प्रतिभावान बल्लेबाज यश धुल 13 से 23 जुलाई के बीच होने वाले इमर्जिंग एशिया कप 2023 में भारत-ए की कप्तानी करेंगे।

बीसीसीआई ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। श्रीलंका के कोलंबो में होने वाले टूर्नामेंट के लिए अभिषेक शर्मा को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। भारत को 2021 में अंडर-19 विश्व कप जिताने वाले कप्तान धुल की अगुआई में चुनी गयी टीम में साई सुदर्शन, रियान पराग, प्रभसिमरन सिंह और ध्रुव जुरेल का नाम भी शामिल है। सौराष्ट्र के पूर्व खब्बू बल्लेबाज सितांशू कोटक को टीम का कोच चुना गया है, जबकि हर्ष दुबे, नेहल वढेरा, स्नेल पटेल और मोहित रेडकर अतिरिक्त खिलाड़ी के तौर पर भारतीय टीम के साथ सफर करेंगे। आठ एशियाई देशों के बीच खेला जाने वाला टूर्नामेंट 50 ओवर के प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। भारत-ए को ग्रुप बी में नेपाल, यूएई-ए और पाकिस्तान-ए के साथ रखा गया है ।

इमर्जिंग एशिया कप के लिए भारत-ए टीम

साई सुदर्शन, अभिषेक शर्मा (उपकप्तान), निकिन जोस, प्रदोष रंजन पॉल, यश ढुल (कप्तान), रियान पराग, निशांत सिंधु, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), मानव सुथार, युवराजसिंह डोडिया, हर्षित राणा, आकाश सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, राजवर्धन हंगरगेकर। **स्टैंडबाय खिलाड़ी:** हर्ष दुबे, नेहल वढेरा, स्नेल पटेल, मोहित रेडकर।

जर्मनी व स्पेन दौरों के लिए हॉकी टीम का ऐलान

बेंगलुरु (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने जर्मनी और स्पेन के दौरों के लिए 20 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा मंगलवार को की। भारतीय टीम पहले जर्मनी में चीन के साथ एक और मेजबान देश के साथ दो हॉकी टेस्ट खेलेगी। इसके बाद भारतीय महिलाएं स्पैनिश हॉकी फेडरेशन की 100वीं वर्षगांठ पर मेजबान स्पेन, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ चतुष्कोणीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। यह दोनों आयोजन सितंबर में चीन के हांग्झोउ में होने वाले एशियाई खेलों के लिये भारतीय टीम की तैयारी का हिस्सा होंगे। भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी यहां चल रहे राष्ट्रीय कोचिंग शिविर को पूरा करने के बाद यूरोप के लिये रवाना होंगे। टीम का नेतृत्व गोलकीपर सविता पूनिया करेंगी जबकि दीप ग्रेस एक्का उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगी।

ट्रेविस हेड ने बेयरेस्टो रनआउट पर किया खुलासा:कहा

इंग्लिश विकेटकीपर खुद मुझे इस तरीके से आउट करने की कोशिश कर चुके है

नई दिल्ली। जॉनी बेयरेस्टो के विवादास्पद रनआउट पर ऑस्ट्रेलिया के बैटर ट्रेविस हेड ने कहा कि बेयरस्टो ने उन्हें इसी अंदाज में रनआउट करने की कोशिश कर चुके है। विलो टॉक पॉडकास्ट से बात करते हुए, हेड ने खुलासा किया कि एजबेस्टन में पहले टेस्ट के दौरान वह बेयरेस्टो के हाथों ओवर के बाद क्रीज चेंज करने के बाद आउट होने के कगार पर थे।

पहले टेस्ट में बेयरेस्टो ने दी धमकी - ट्रेविस हेड: हेड ने कहा कि पहले टेस्ट में उनके साथ ऐसा हो चुका है। हेड ने बताया कि, एजबेस्टन टेस्ट में मैं आखिरी ओवर के बाद क्रीज से बाहर चला गया था। इस पर बेयरस्टो ने मुझे आउट करने की वार्निंग दी। मैंने बेयरस्टो से पूछा कि क्या आप मुझे इस तरह आउट कर देंगे? तब बेयरेस्टो ने कहा - हां, बिलकुल।

क्या है बेयरस्टो रनआउट विवाद: लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए एशेज टेस्ट के 5वें दिन इंग्लिश टीम 371 रन का टारगेट चेज कर रही थी। कप्तान बेन स्टोक्स ने बेन डकेट के साथ 132 रन की साझेदारी की। डकेट के आउट होने के बाद विकेटकीपर जॉनी बेयरस्टो और स्टोक्स ने साझेदारी शुरू की, लेकिन 52वें ओवर की आखिरी गेंद पर बेयरस्टो रनआउट हो गए। उनके रनआउट पर विवाद खड़ा हो गया। बेयरस्टो ओवर की आखिरी गेंद को छोड़ने के बाद स्टोक्स से बात करने के लिए क्रीज से बाहर निकल गए। उन्हें क्रीज से बाहर देख ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने बॉल को थ्रो किया और गिल्लियां बिखेर दीं।

घोषणा वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच टी20 मैचों के लिए करेंगे टीम इंडिया का चयन

अजित अगरकर बने भारतीय टीम के चीफ सिलेक्टर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज अजित अगरकर भारतीय टीम के नए चीफ सिलेक्टर बन गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को इसकी घोषणा की।

अगरकर को मुख्य चयनकर्ता बनाने का निर्णय सुलक्षणा नाइक, अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे की तीन सदस्यीय क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने लिया। स्टिंग ऑपरेशन के बाद फरवरी में चेतन शर्मा के इस्तीफा देने के बाद से मुख्य चयनकर्ता का पद खाली था। चयन पैनल में अन्य सदस्यों में शिव सुंदर दास, सुब्रतो बनर्जी, सलिल अंकोला, श्रीधरन शरथ शामिल हैं। 26 टेस्ट और 191 वनडे खेलने के कारण अगरकर पैनल के सबसे वरिष्ठ सदस्य हैं। ऐसे में बीसीसीआई के नियमों के वह समिति के अध्यक्ष होंगे। उनकी अगुआई में सबसे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 अगस्त से शुरू होने वाले पांच टी20 मैचों के लिए टीम का चयन होगा।

चेतन शर्मा ने इस वजह से दिया इस्तीफा

इस वजह से चेतन शर्मा ने अपने पद से दिया था इस्तीफा दरअसल, टी-20 विश्व कप 2022 में भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से बीसीसीआई के चीफ सेलेक्टर चेतन शर्मा ने स्टिंग में टीम इंडिया के कई खिलाड़ियों का जिक्र किया था। उन्होंने खिलाड़ियों को लेकर विवादित बातें भी कही थी। उन्होंने स्टिंग ऑपरेशन में खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर कई बड़े राज खोले थे। चेतन ने कहा था कि 80-85 प्रतिशत फिट होने के बावजूद खिलाड़ी इंजेक्शन का इस्तेमाल करते है।

अगरकर का क्रिकेट करियर: अजित अगरकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 26 टेस्ट, 191 वनडे और 4 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 58 विकेट झटके हैं। वनडे क्रिकेट में उन्होंने 288 विकेट लिए हैं।

मध्यप्रदेश ने नेशनल सॉफ्ट क्रिकेट प्रतियोगिता जीती

भोपाल। मध्यप्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 7 विकेट से हराकर मथुरा उत्तर प्रदेश में आयोजित सीनियर नेशनल सॉफ्ट क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब जीता। फाइनल मुकाबले में एलएनसीटी स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के खिलाड़ियों से सुसज्जित मध्यप्रदेश टीम में एलएनसीटी के अलावा सीहोर, बुधनी, दमोह, ग्वालियर, जबलपुर, बैतूल, होशंगाबाद, इत्यादि जिलों के खिलाड़ी शामिल थे। फाइनल मैच में मध्य प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम निर्धारित 10 ओवरों में 9 विकेट खोकर मात्र 46 रन बना सकी। जवाब में मध्यप्रदेश की टीम ने अमित कुमार के 37 रनों की बदौलत 6 ओवरो में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। गेंदबाजी में मध्यप्रदेश की ओर से नितिन ने 3 विकेट और अम्मान खान ने 2 विकेट लिए। मप्र के अमित कुमार को मैन ऑफ द मैच एवं मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया। मध्य प्रदेश टीम में अमित कुमार (कप्तान), झनकलाल निवारे(उपकप्तान), शिवम नरवरिया, आमान, भरत अहिरवार, शुभम पटेल, राहुल, अजय मेहरा, नितिन कुमरे, विवेक कुमार, विशाल यादव, हर्षित, पंकज यादव, ऋषभ, आदर्श, ध्रुव खन्ना शामिल थे।

सस्पेंस बरकरारः एनसीपी में जारी संकट के बीच शरद और उपमुख्यमंत्री अजित ने एक ही दिन बुलाई अपने-अपने समर्थक सांसद-विधायकों की मीटिंग

महाराष्ट्र में बड़ा राजनैतिक शक्ति प्रदर्शन आज, पता चलेगा एनसीपी किसकी!

महाराष्ट्र में 5 जुलाई को बड़ा शक्ति प्रदर्शन देखने को मिल सकता है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार के बाद उनके भतीजे अजित पवार के बीच चल पड़ी है वर्चस्व की लड़ाई

एजेंसी ▶▶ मुंबई

यहां दिलचस्प बात ये है कि अजित पवार ने भी ठीक उसी समय यह बैठक बुलाई है जिस समय शरद पवार ने पार्टी पदाधिकारियों को उपस्थित होने के लिए कहा है। एनसीपी में जारी संकट के बीच, नवनियुक्त डिप्टी सीएम अजित पवार ने सभी एनसीपी सांसदों, विधायकों, एमएलसी, जिला प्रमुखों और राज्य प्रतिनिधियों को 5 जुलाई को एमईटी बांद्रा में एक बैठक के लिए बुलाया है। उन्होंने कहा है कि इस बैठक में सभी का उपस्थित होना जरूरी है। वहीं इससे पहले, शरद पवार ने भी अपने सभी सदस्यों को उसी दिन (5 जुलाई) दोपहर 1 बजे वाईबी चव्हाण सभागार में बुलाया है। मीटिंग का मुद्दा अजित पवार सहित नौ राकांपा नेताओं के शिंदे सरकार में शामिल होना बताया गया है।

पटेल, तटकरे का निष्कासन

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार द्वारा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पद से हटाए जाने के तुरंत बाद प्रफुल्ल पटेल ने सोमवार शाम को जयंत पाटिल की जगह लोकसभा सदस्य सुनील तटकरे को पार्टी की महाराष्ट्र इकाई का प्रमुख नियुक्त करने की घोषणा की। पटेल ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को पार्टी विधायक दल का नेता भी नियुक्त किया। इससे पहले दिन में पवार ने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और सांसद सुनील तटकरे को 'पार्टी विरोधी' गतिविधियों के चलते निष्कासित कर दिया। दोनों ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बगावत में साथ दिया था। शरद पवार ने ट्वीट किया, ''मैं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को पार्टी-विरोधी गतिविधियों की वजह से राकांपा सदस्यों के रजिस्टर से हटाने का आदेश देता हूं।'

अजित को दो दिन में डबल झटका सांसद-विधायक लौटे

महाराष्ट्र की एकनाथ सरकार में उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने और एनसीपी को तोड़ने वाले अजित पवार को दो दिनों के अंदर डबल झटका लगा है। शपथ ग्रहण के दिन ही एनसीपी सांसद के शरद पवार खेमे में लौटने के बाद अगले दिन दो विधायक भी अजित पवार को छोड़कर शरद पवार के कैम्प में लौट आए हैं।

मेरी पार्टी ही मेरी तस्वीर का इस्तेमाल कर सकती हैः शरद

शरद पवार ने मंगलवार दोपहर कहा कि उनकी तस्वीर का इस्तेमाल उनकी पार्टी ही कर सकती है। जब तक मैं जीवित हूं, मेरी फोटो का इस्तेमाल करना मेरा अधिकार है। जिन्होंने मेरे विचारों को धोखा दिया। जिनसे अब मेरे वैचारिक मतभेद हैं। उन्हें मेरी अनुमति से ही मेरी तस्वीर का उपयोग करना चाहिए।

एक नज़र

खालिस्तानियों पर भड़का कनाडा

ओटावा। भारत ने खालिस्तानी समर्थकों की ओर से ओटावा, टोरंटो और वैंकूवर में 8 जुलाई को निकाली जाने वाली रैली पर चिंता व्यक्त करते हुए सोमवार को कनाडा के हाई कमिश्नर कैमरान मैके को तलब किया। भारत ने कनाडा की सरकार से रैली को रोकने और खालिस्तानी समर्थकों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। भारत सरकार की ओर से यह कदम ऐसे में उठाया गया है जब कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों ने प्रदर्शन को लेकर पोस्टर जारी किया था।

ताइवान में लैंड करते ही तबाह हो जाएंगे चीनी सैनिक

नई दिल्ली। चीन से सामना करने के लिए ताइवान को अमेरिका से एक बेहद खतरनाक हथियार मिलने वाला है। दरअसल, अमेरिका ताइवान को वोलकेनो माइन सिस्टम देने वाला है। इस हथियार को वोलकेनो भी कहा जाता है। इस हथियार की खासियत यह है कि ये कुछ ही मिनट में एक बड़े एरिया में लैंड माइंस यानी बारूदी सुरंगों को बिछा सकता है। इससे एंटी पर्सनल यानी सैनिकों के लिए और एंटी टैंक माइंस यानी टैंकों के लिए बारूदी सुरंगें बिछाने में महारथ हासिल होगी।

चीन में घूमने पर हो सकती है जेल

बीजिंग। मनमाने तरीके से कानून को लागू करने, निकास प्रतिबंधों और गलत तरीके से हिरासत में लिए जाने के जोखिम के मद्देनजर अमेरिका ने अपने नागरिकों को चीन की यात्रा पर पुनर्विचार करने का परामर्श जारी किया है। किसी खास मामले का हवाला तो नहीं दिया गया लेकिन यह सलाह मई में जासूसी के आरोप में 78 वर्षीय अमेरिकी नागरिक को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के बाद आई है। व्यापक विदेशी संबंध कानून के पारित होने के बाद आया है।

23 राज्यों की 10 हजार 432 कंपनियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

700 विषयों में युवाओं के लिए उपलब्ध रहेंगे रोजगार के अवसर

मप्र में युवाओं के लिए 'सीखो-कमाओ योजना' लांच, सीएम ने कहा कि सीखो-कमाओ योजना का संक्षिप्त रूप 'एसकेवाय' अर्थात 'स्काय' मतलब आसमान

कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण को 8 हजार रुपए, आईटीआई उत्तीर्ण को 8 हजार 500, डिप्लोमा उत्तीर्ण को 9 हजार रुपए, स्नातक या उच्च शिक्षित को 10 हजार रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने योजना के लांचिंग मौके पर कहा कि प्रदेश के युवाओं में क्षमता, ऊर्जा, प्रतिभा और टैलेंट है। उद्योगपति और व्यापारिक संस्थान इन्हें काम सिखाएंगे, तो वे उनके प्रतिष्ठान को मालामाल कर देंगे।

योजना के लिए 18 से 29 वर्ष के युवा पात्र होंगे। इस योजना का लाभ मप्र के स्थाई निवासी ही ले सकेंगे।

एजेंसी ▶▶ भोपाल

मप्र में मंगलवार से सीखो कमाओ योजना लांच हो गई। इसके लिए 18 से 29 वर्ष के युवा पात्र होंगे। इस योजना का लाभ मप्र के स्थाई निवासी ही ले सकेंगे। कक्षा 12 वीं उत्तीर्ण को 8 हजार रुपए, आईटीआई उत्तीर्ण को 8 हजार 500, डिप्लोमा उत्तीर्ण को 9 हजार रुपए, स्नातक या उच्च शिक्षित को 10 हजार रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी। युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराने के लिए 700 कोर्सेस चयनित किए गए हैं। इसमें सभी प्रकार के उद्योग, व्यापारिक प्रतिष्ठान, सर्विस सेक्टर आदि को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने योजना के लांचिंग मौके पर कहा कि प्रदेश के युवाओं में क्षमता, ऊर्जा, प्रतिभा और टेलेंट है। उद्योगपति और व्यापारिक संस्थान इन्हें काम सिखाएंगे, तो वे उनके प्रतिष्ठान को मालामाल कर देंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने यह बात रवींद्र भवन में मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना की लांचिंग के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कही। उन्होंने आईटीआई उत्तीर्ण राज कुशवाह का सखुद योजना के पोर्टल पर पंजीयन कराकर योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के तहत पोर्टल पर युवा अपनी योग्यता और रूचि के अनुसार गतिविधि चुन सकेंगे। उन्होंने पंजीकरण की प्रक्रिया को भी युवाओं को विस्तार से समझाया। समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवायसी आवश्यक है। पंजीयन के लिए मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आईडी और बैंक खाता आधार से लिंक हो एवं डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने युवाओं के प्रश्नों और जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

मैं आज पंख देने आया हूं

चौहान ने कहा कि युवा आगे आएं, योजना से जुड़ें, आसमान में ऊंची उड़ान भरें और अपने जीवन को सफल और सार्थक बनाएं। मैं युवाओं के सपनों को किसी भी कीमत पर मरने नहीं दूंगा। चिड़िया अपने बच्चों को घोसला नहीं पंख देती है, मैं आज पंख देने आया हूं और इसीलिए मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना लागू की गई है। छात्रवृत्तियों, निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें, मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप, दूसरे गांव पढ़ने जाने वाली बालिकाओं को साइकिलें उपलब्ध कराकर बेहतर और नियमित शिक्षा की व्यवस्था की गई है। इस वर्ष शालाओं में कक्षा 12 वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ई-स्कूटी प्रदान की जाएगी।

एनआईए 2020 से कर रही जांच

एनआईए ने नार्को-आतंकवाद मामले में दो के घर किए कुर्क

एजेंसी ▶▶ अमृतसर

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पंजाब के अमृतसर जिले में पाकिस्तान प्रायोजित नार्को-आतंकवाद मामले में आरोपी दो भाइयों बिक्रमजीत सिंह और मनिंदर सिंह के घर को कुर्क कर लिया है। एनआईए 2020 से जांच कर रही है। बिक्रमजीत और मनिंदर के घर को आतंकवाद की आय के रूप में नामित करने के बाद गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 के तहत कुर्क किया गया था। दोनों भाइयों को पहले मामले में एनआईए ने गिरफ्तार किया था। आवासीय संपत्ति बिक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की और मनिंदर सिंह उर्फ मनी की है।

पहले हो चुके गिरफ्तार

एनआईए ने कहा कि संपत्ति को 'आतंकवाद की आय' के रूप में नामित करने के बाद गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 की धारा 25 (1) के तहत संलग्न किया गया है। दोनों भाइयों को पहले एनआईए ने गिरफ्तार किया था, जो पाकिस्तान से भारत में बड़ी मात्रा में ड्रग्स की तस्करी के लिए एक नार्को आतंकी मॉड्यूल द्वारा रची गई साजिश से संबंधित है। सीमा पार से ड्रग्स की तस्करी की जा रही थी।

पाकिस्तान में कोई भी चर्च व ईसाई सुरक्षित नहीं रहेगा, करेंगे हमले

आतंकवादी संगठन 'एलईजे' ने दी धमकी

एजेंसी ▶▶ लाहौर

स्वीडन में धार्मिक ग्रंथ जलाए जाने की घटना के बाद मुस्लिम देशों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। वहीं पाकिस्तान में लाहौर स्थित सुन्नी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-झांगवी 'एलईजे' ने धमकी दी है कि स्वीडन की घटना के जवाब में वह पाकिस्तान में ईसाइयों और चर्चों पर हमले करेगा। इस आतंकी समूह ने कहा कि वह पाकिस्तान में अल्पसंख्यक सदस्यों को निशाना बनाकर आत्मघाती हमले भी शुरू करेगा।

1990 से सक्रिय है यह आतंकी संगठन

लाहौर स्थित यह आतंकी संगठन 1990 के दशक से पाकिस्तान में शिया मुसलमानों के खिलाफ अपने क्रूर अभियान के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। इसने न केवल मस्जिदों और शिया जुलूसों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर हिंसक हमले किए, बल्कि प्रमुख शिया हस्तियों की लक्षित हत्याएं भी कीं। इस संगठन ने अब स्वीडन में कुरान जलाने की घटना के बाद बड़ी धमकी दी है कि वह पाकिस्तान में ईसाइयों और चर्च पर हमले करेगा।

राजकोट में 15 साल के लड़के को आया हार्ट अटैक

स्कूल में भाषण देने से पहले ही तोड़ दिया दम

गुरू पूर्णिमा के अवसर पर प्रतियोगिता आयोजित

एजेंसी ▶▶ राजकोट

गुजरात के राजकोट जिले में कम उम्र के एक बच्चे ने स्कूल में ही दम तोड़ दिया। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें बच्चे को भाषण देना था। भाषण देने से पहले ही बच्चे की मौत हो गई। बच्चे का नाम देवांश वेंकुभाई भयानी है। वह कक्षा दसवीं का का छात्र था। उसकी उम्र मात्र 15 साल थी। 15 वर्षीय देवांश जिस स्कूल में पढ़ता था, उस स्कूल का नाम स्वामी नारायण गुरुकुल है। बच्चे की अचानक मौत से परिवार वाले सदमे में हैं। वहीं, स्कूल प्रशासन भी इस तरह अचानक बच्चे की मौत से हैरान हैं। देवांश के शव को पोस्टमार्ट के लिए भेजा गया है, जहां उसकी मौत की वजह हार्ट अटैक बताई गई है। देवांश के पिता शहर के बड़े बिजनेसमैन हैं। उनका प्लास्टिक से जुड़ा बिजनेस है। 15 वर्षीय देवांश उनका इकलौता बेटा था। इस प्रतियोगिता में बच्चों को गुरू विषय पर भाषण देना था। अभी कुछ दिन पहले ही नवसारी में भी एक कम उम्र की छात्रा की मौत का मामला सामने आया था।

फ्रांसः हिंसा में आई कमी, अब घर-घर तलाशी, 157 गिरफ्तार

पेरिस। फ्रांस में राजधानी पेरिस के करीब नेन्तेरे शहर में एक हफ्ते से जारी हिंसा में कमी आने लगी है। होम मिनिस्ट्री के मुताबिक- सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात पुलिस ने डोट टू डोर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान 157 और लोगों को हिरासत में लिया गया। पांच हजार और पुलिसकर्मियों को नेन्तेरे शहर में तैनात किया गया है। अब यहां तैनात पुलिसकर्मियों की तादाद 45 हजार हो गई है। पुलिस के मुताबिक- हिंसा में कुल 159 गाड़ियों को आग लगाई गई। इसके अलावा 202 जगह आगजनी की गई। ऑपरेशन के दौरान 4 पुलिसवाले घायल हुए हैं। यहां 27 जून को 17 साल के रिफ्यूजी को पुलिस ने पुलिस ने गोली मार दी थी।

अमेरिका-ब्रिटेन आतंकी देश की कर रहे फंडिंग

रूस बोला-यूक्रेन ने मॉस्को पर 5 ड्रोन से हमला किया

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस की राजधानी मॉस्को में मंगलवार को एक बार फिर ड्रोन अटैक हुआ है। रूस ने यूक्रेन पर हमला करने का आरोप लगाया है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा- यूक्रेन ने मॉस्को में 5 ड्रोन से अटैक किया। हमने इन सभी को मार गिराया है। हालांकि, सुरक्षा के लिहाज से राजधानी के मुख्य एयरपोर्ट से कुछ घंटों के लिए फ्लाइट्स डायवर्ट कर दी गईं। रूस के रक्षा मंत्री ने बताया कि हमले में कोई भी घायल नहीं हुआ है। ये रूस पर एक और आतंकी हमला है।

एयरपोर्ट के पास मिले 2 ड्रोन

रूसी मीडिया के मुताबिक 2 ड्रोन का मलखा एयरपोर्ट से करीब 5 किलोमीटर की दूरी पर बरामद हुआ। कई चश्मदीदों ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे नोवाया क्षेत्र में धमाके की आवाज आई थी। मेयर सर्गेई ने इस क्षेत्र में 4 ड्रोन को मार गिराने की पुष्टि की है। करीब 1 महीने पहले भी रूस ने मॉस्को की 2 बिल्डिंग पर हुए ड्रोन अटैक के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया था। रूस के डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा था कि कीव ने करीब 8 ड्रोन से आतंकवादी हमला किया। सभी ड्रोन्स को मार गिराया गया है। दोनों बिल्डिंग में रह रहे नागरिकों सुरक्षित हैं। रूस पर हमले में 30 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। हमले पर यूक्रेन की प्रतिक्रिया भी सामने आई थी। राष्ट्रपति जेलेंस्की के एडवाइजर और नेता मिखाइल पोडलैक ने कहा था- इस हमले में यूक्रेन का कोई हाथ नहीं था।

खोजः उल्कापिंड होने की वैज्ञानिकों ने जताई आंशका !

मंगल ग्रह पर मिला विचित्र आकार जैसा भूरे रंग का पत्थर, नासा के वैज्ञानिक हुए हैरान

एजेंसी ▶▶ ह्यूस्टन

नासा (नासा) ने इस चट्टान को लेकर कहा कि यह चट्टान जहां है, उसके आस पास कई और छोटे छोटे पत्थर हैं। जिसे देख कर लगता है कि ये एक तरह का उल्कापिंड भी हो सकता है। मंगल ग्रह पर इंसानों द्वारा लगातार खोज जारी है। पृथ्वी के वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि वह मगल पर इंसानों को बसा सकते हैं। हालांकि, हाल ही में मंगल ग्रह पर एक ऐसा पत्थर मिला है जिसने सभी इंसानों को चौंका दिया है। दरअसल, इस पत्थर की आकृति एक ऐसी चीज से मिलती जुलती है जो इंसानों द्वारा बेहद पसंद किया जाता है। भारत के बड़े शहरों समेत दुनिया भर में इस लोग इस चीज के दीवाने हैं। बच्चों में तो ये इतना लोकप्रिय है कि उन्हें हर रोज ये खाना होता है। दरअसल, हम जिस चीज की बात कर रहे हैं, वो डोनट है। मंगल ग्रह पर जो पत्थर मिला है वो बिल्कुल डोनट के आकार का है।

कैसे मिला ये पत्थर

नासा का एक प्रिसर्वेंस रोवर इस वक्त मंगल ग्रह पर घूम रहा है और वहां की तस्वीरें पृथ्वी तक पहुंचा रहा है। उसी रोवर ने हाल ही में एक ऐसी तस्वीर ली जिसकी चर्चा दुनियाभर में है। ये तस्वीर मंगल ग्रह पर पड़े एक पत्थर की है। ये पत्थर बिल्कुल एक डोनट के आकार का है। दिखने में थोड़ा गोल और इसके बीच में बना सुराख इस पत्थर को हुबहू एक डोनट की शक्ल देता है, जो अमेरिका समेत पूरे यूरोप में लोकप्रिय है। इस तस्वीर को रिमोट माइक्रोस्कोपिक इमेजर की मदद से लिया गया है। वहीं तस्वीर को खींचते वक्त रोवर इस पत्थर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर था। ये तस्वीर 22 जून 2023 को ली गई थी।

ग्रेविटी होल 2 मिलियन वर्ग मील का इलाका है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

धरती की उत्पत्ति को लेकर वैसे तो वैज्ञानिकों ने कई सारी थ्योरी दी हैं। लेकिन अभी भी धरती और उसके जीवन से जुड़े कई रहस्य अनसुलझे हैं। वैज्ञानिकों ने हिन्द महासागर में एक ग्रेविटी होल को खोज निकाला है। इसे पाताल का रास्ता कहा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, वैज्ञानिकों को संदेह है कि समुद्र में मिला यह ग्रेविटी होल एक प्राचीन समुद्र के अवशेष हो सकते हैं। जो लाखों साल पहले गायब हो गया था। महासागर में जिस जगह ग्रेविटी होल मिला है, वहां पर गुरुत्वकार्षण बल बाकी पृथ्वी से कमजोर पड़ जाता है।

ग्रेविटी होल पृथ्वी की सबसे रहस्यमय गुरुत्वाकर्षण विसंगति

हिंद महासागर में मिला 'पाताल का रास्ता' धरती के अंदर के रहस्य खोलेगा ग्रेविटी होल

- 20 मिलियन वर्ष पहले अपना स्वरूप धारण किया था
- ग्रेविटी होल को लेकर कई रहस्य सामने आने बाकी

फाइल फोटो

गुरुत्वकार्षण बल कमजोर क्यों?

वैज्ञानिकों ने अब इस बात का पता लगा लिया है कि जिस जगह ग्रेविटी होल मिला है। वहां गुरुत्वकार्षण बल कमजोर क्यों है? ग्रेविटी होल पृथ्वी की सबसे रहस्यमय गुरुत्वाकर्षण विसंगति मानी जाती है। इसे इंडियन ओशियन जियोइन लो (आईओजीएल) के नाम से जाना जाता है। यह विशाल ग्रेविटी होल 2 मिलियन वर्ग मील का इलाका है। जो पृथ्वी की क्रस्ट के नीचे 600 वर्ग मील तक फैला है। शोधकर्ताओं के मुताबिक इस ग्रेविटी होल का जवाब पृथ्वी के क्रस्ट के एक हजार किमी नीचे छिपा है। यहां प्रवीन महासागर के ठंडे घने अवशेष अफ्रीका के नीचे तीन करोड़ साल पहले दब गए थे।

टेथिस महासागर एक प्राचीन महासागर था

जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित रिसर्च में कहा गया है कि, आईओजीएल में टेथिस महासागर के स्लैब शामिल हैं। टेथिस महासागर एक प्राचीन महासागर था जो मेसोजोइक युग के दौरान गोंडवाना और लॉरेशिया महाद्वीपों के बीच मौजूद था। जो एक लंबे समय से खोया हुआ समुद्र है जो लाखों साल पहले ग्रह की गहराई में डूब गया था। टेथिस महासागर ही अफ्रीकी लार्ज लो शियर वेलोसिटी प्रोविंस में अशांति पैदा करता था। जिसे अफ्रीकन ब्लॉब कहा जाता है।

एक नज़र

राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप में मनु शर्मा ने जीता गोल्ड मैडल

कुलदीप गुप्ता

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। कराटे एसोसिएशन द्वारा विद्या सागर स्कूल, जयपुर में दिनांक 10 जून को पांचवी राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप - 2023 आयोजित की गई जिसमें मनु शर्मा पुत्र श्री दीपक कुमार शर्मा, निवासी नरेंद्र नगर, स्वेज फार्म जयपुर द्वारा 16-17 आयु वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीता। मनु शर्मा ने अपनी जीत का श्रेय अपने गुरुजनों और परिजनों के आशीर्वाद सहयोग व मार्गदर्शन को दिया।

हेड कॉन्स्टेबल कपिल गर्वे डीजीपी डिस्क अवार्ड से सम्मानित

पत्रकार कमल किशोर

कोटा (हिलव्यू समाचार)। कोटा पुलिस में ईमानदार छवि एवं उत्कृष्ट कार्य करने के लिए कोटा जवाहर नगर थाने के पुलिस अधिकारी हेड कांस्टेबल कपिल गर्वे को राजस्थान पुलिस मुखिया डीजीपी द्वारा डीजीपी डिस्क अवार्ड से सम्मानित किया गया है। कपिल गर्वे ईमानदार छवि एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी हैं जो त्वरित गति से निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। इन्होंने कोरोना काल में भी बड़ी तत्परता से सराहनीय राजकार्य किया है।

मारवाड़ी कोटा शाखा द्वारा वृद्ध आश्रम में कराया भोजन

कोटा (हिलव्यू समाचार)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति कोटा शाखा द्वारा आज भारत माता सेवा समिति आवासीय वृद्ध आश्रम में वृद्ध जनों को भोजन कराया गया अध्यक्ष संगीता काबरा ने बताया कि वृद्धाश्रम में करीब 50 पुरुष एवं महिलाएं रहते हैं।शाखा सदस्य अरुणा गुप्ता द्वारा वृद्धजनों के लिए सुबह के भोजन की व्यवस्था की गई आगामी प्रदेश अध्यक्ष नीलम तापड़िया ने बताया कि वृद्धजनों के साथ समय व्यतीत किया बातचीत की ।उनके साथ भजन एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस सेवा कार्य में कोषाध्यक्ष मंजू काबरा,निशी बिडला, पूनम विजय, सोनल खंडेलवाल, पिंकी बढेरा, ममता विजय आदि सदस्या उपस्थित रहीं।

बिल्डर्स को नहीं है अब ख़ौफ़ अवैध निर्माण के सीजर या ध्वस्तीकरण का

कमल आसुदानी एवं महेंद्र नरूका (मूल जी) प्लॉट न. 250/4 एवं प्लॉट न. 270/4 राजापार्क में मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर से परमिशन के विपरीत जाकर करवा रहे अवैध निर्माण

आवासीय में कमर्शियल कॉम्प्लेक्स फ्लैट्स बनाकर करोड़ों कमाते बिल्डर इनकमटैक्स और निगम को लगा रहे चूनाएक एक फ्लैट की कीमत है करोड़ों की। बेसमैंट और पेंट हाउस भी बिकता है करोड़ों में*

बिना फायर एनओसी के बनती बहुमंज़िला बिल्डिंग टिकी होती हैं सिलेंडर की टँकी पर क्योंकि बैसमेन्ट में रहते हैं नौकरों के परिवार

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजापार्क में अवैध निर्माणों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा।

नगर निगम मालवीय नगर जोन से औपचारिक व दिखावटी अनुमति लेकर मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर के बिल्डर्स मज़े कर रहे हैं।

अनुमति कुछ और होती है लेकिन बिल्डिंग बायलॉज के नियमों,नक़्शे, ले-आउट प्लान के विपरीत काम होता आसानी से देखा जा सकता है-

बेसमेंट की परमिशन नहीं होती लेकिन बन रहे हैं, सेटबैक 20-30 फीट छोड़ना है लेकिन 05-10 फीट छोड़कर आसपास की आम जनता की आँखों व निगम की आँखों में धूल झौंक कर धड़ल्ले से अवैध निर्माण हो रहे हैं।

राजापार्क थाना जवाहर के ठीक सामने इसी तरह आमने-सामने दो 270/4 व 250/4 अवैध निर्माण ज़ोरों पर हैं। 270/4 पर निगम की परमिशन लगी भी हुई है लेकिन सेटबैक में की गई चालाकी साफ नज़र आ रही है

कि ज़ीरो सेटबैक पर यह निर्माण होता आसानी से देखा जा सकता है।

इसी के साथ बेसमेंट का निर्माण अवैध निर्माण की कहानी को साफ़-साफ़ बयां कर रहा है। नगर निगम मालवीयनगर जोन बेख़बर है और सम्पूर्ण अवैध निर्माण बहुमंज़िला बनकर खड़ा होता जा रहा है।

आवासीय भूखण्ड में कमर्शियल बनते फ्लैट्स करोड़ों में बिकते हैं। निगम को तो रेवेन्यू का चूना लगता ही है साथ ही साथ इनकम टैक्स को भी कानों कान ख़बर नहीं होती इस काली कमाई की। राजापार्क के रिहायशी इलाके में फ्लैट पाकर क्रेता गदगद हो जाता है उसे पता ही नहीं होता कि वह अवैध निर्माण व काली कमाई का ज़रिया बन गया है।

बिना अनुमति या अनुमति के बावजूद इसके विपरीत होने वाले इन निर्माणों में फ़्लैट्स खरीदने वाला जब ठगा जाता है जब सस्ते मैटेरियल से बने फ़्लैट्स में परेशान होता है।

बिना फायर एनओसी,बिना अनुमति के बने इन फ़्लैट्स में कई मूलभूत ज़रूरतों के फैलियर का सामना खरीददार को बाद में करना पड़ता है लेकिन तब तक बहुत देर हो जाती है। भ्रष्टाचार की मार इस खरीददार को ही भुगतनी पड़ती है। बेसमैंट में नौकरों के कमरे बनते हैं इन बहुमंज़िला बिल्डिंग में और फिर बिल्डिंग्स टिकी होती हैं सिलेंडर की टँकी पर क्योंकि बैसमेन्ट में नौकरों के परिवार बनाते हैं खाना भी। आख़िर निगम इन ख़तरों को नज़रंदाज़ कैसे कर पाता है यह आश्चर्य का विषय तो है ही गम्भीर विषय भी है।

सेंट्रल जेल स्किलिंग प्रोजेक्ट के अनावरण समारोह में शामिल हुईं एक्ट्रेस

'शेड्स ऑफ लाइफ' में शबाना आज़मी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। फिक्की लेडीज ऑर्गेनाइजेशन, जयपुर चैप्टर की चेयरपर्सन नेहा ढड्डा ने अभिनेत्री शबाना आजमी से शेड्स ऑफ लाइफ पर बात की। इस दौरान शबाना आजमी की उपस्थिति में एफएलओ जयपुर चैप्टर ने अजमेर क्षेत्र में सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम-सेंट्रल जेल स्किलिंग प्रोजेक्ट का अनावरण किया। प्रोजेक्ट में कैदियों को एमएस सिखाया जाएगा। महिला कैदी सिलाई में निपुण होंगी। प्रोजेक्ट का शुभारंभ शबाना आजमी, डीजीपी जेल भूपेन्द्र दक, पूर्व डीजीपी राजीव दासोत, संस्थापक अध्यक्ष फिक्की फ्लो नीता बूचरा, अजमेर जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल और अध्यक्ष एफएलओ जयपुर नेहा ढड्डा द्वारा किया गया।

पिता और पति की भूमिका पर की बात

शबाना आजमी के साथ बातचीत पथ-प्रदर्शक थी। एफएलओ सदस्यों के साथ भावनात्मक स्तर पर जुड़ने की उनकी क्षमता ने उन्हें इन मंत्रमुग्ध कर देने वाली कहानियों के जरिए एक आदर्श कलाकार बना दिया। यह सत्र कच्ची भावनाओं और गहन चिंतन की दुनिया में बदल गया। उन्होंने अपने जीवन में कवियों के रूप में अपने पिता और पति की प्रतिष्ठित भूमिका को भी साझा किया और बताया कि कैसे उन्होंने सामाजिक कारण और प्रभाव की अपनी यात्रा शुरू की।

एक समय में एक कदम पर ध्यान रखें

चेयरपर्सन ढड्डा ने बताया कि हम सभी के जीवन में अलग-अलग रंग हैं। बात बस इतनी है कि हमें अपने आप को वहीं फिट करना चाहिए जहां हमारा जुनून निहित है। वह समाज में बदलाव लाने और एक समय में एक कदम पर ध्यान केंद्रित करने में प्रबल विश्वास रखती हैं। उन्होंने यह भी साझा किया कि अजमेर जेल स्किलिंग प्रोजेक्ट मेरे ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक था, जहां हम उन लोगों का समर्थन कर रहे हैं जिन्हें पहले से ही समाज द्वारा खारिज कर दिया गया है। उन्हें सशक्त बनाकर, एफएलओ जयपुर आशा की किरण फैला रहा है। प्रगति और विकास की दिशा में बदाव हो रहा है।

राज्यपाल ने किया कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन

समाज के विकास में भूमिका पर मंथन करेंगी महिलाएं

हिलव्यू समाचार

जयपुर। महिलाओं का महासम्मेलन 'संवर्धिनी' 20 अगस्त को जयपुर में आयोजित होगा। तैयारियों के बीच बुधवार को राज्यपाल ने कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र के साथ संवर्धिनी महासम्मेलन आयोजनकर्ताओं की पूरी कोर टीम उपस्थित थी। महासम्मेलन के बारे में टीम की सदस्य संगीता जांगिड़ ने बताया कि आज हमारा देश विश्व में शक्ति संपन्न, वैभव संपन्न, ज्ञान विज्ञान से परिपूर्ण, तथा पूरी दुनिया को शांति के पथ पर ले जाने वाला बनने की ओर अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर अनेक चुनौतियां भी हमारे देश के विकास में बाधक बन कर सामने खड़ी हैं।

चाहे स्त्री उत्पीड़न हो या फिर आंतरिक सुरक्षा का विषय, परिवारों में संस्कारों का हनन हो अथवा बेटियों की सुरक्षा, अनेक विषय ऐसे हैं जिनका समाधान समाज को मिलकर सोचना होगा, विशेषकर स्त्री शक्ति को। उन्होंने कहा कि भारत की हर स्त्री प्रतिभाशाली है। बस उसे स्वयं को पहचानने की आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए स्व से साक्षात्कार करने, भारतीय स्त्री चिंतन को समझने तथा अपने देश व समाज के सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका को समझने के लिए 'संवर्धिनी' महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह महिलाओं द्वारा महिलाओं के लिए आयोजित महासम्मेलन है। इस महासम्मेलन में तीन हजार से अधिक महिलाओं के भाग लेने की संभावना है।

नशे पर राज्य सरकार करेगी प्रहार, कार्यशालाओं से करेंगे जागरूक

राज्य सरकार चलाएगी गुरुशरण छाबड़ा जन जागरूकता अभियान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान सरकार प्रदेश में नशे व मादक पदार्थों के सेवन से समाज और लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर आमजन को जागरूक करने के लिए गुरुशरण छाबड़ा जन जागरूकता अभियान चलाएगी। नशे के खिलाफ जन जागरुकता अभियान को लेकर मुख्यमंत्री गहलोत ने बुधवार को 3 महीने की कार्ययोजना के लिए 2.5 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री गहलोत के इस फैसले के बाद प्रदेशभर में रेडियो, टेलीविजन, सामुदायिक रेडियो, प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया, एनजीओ और सिविल सोसायटी के माध्यम से प्रचार-प्रसार व जनजागरूकता की जाएगी। वहीं जागरुकता के लिए प्रदेश के स्कूल, कॉलेज और कोचिंग सेंटर में भी कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इनमें विद्यार्थियों को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए उन्हें जागरूक किया जाएगा।

गुरुशरण छाबड़ा को कांग्रेस ने दिया सम्मान

राजस्थान में सम्पूर्ण शराबबंदी तथा मजबूत लोकायुक्त की मांग को लेकर 31 दिन तक अनशन करने के बाद गांधीवादी नेता गुरुशरण छाबड़ा की 2015 में मौत हो गई थी। तब प्रदेश में भाजपा की सरकार थी। छाबड़ा ने 2 अक्टूबर 2015 को अपना अनशन शुरू किया था। वह प्रदेश में सम्पूर्ण शराबबंदी की मांग को लेकर काफी लम्बे समय से आन्दोलनरत थे। उन्होंने प्रसिद्ध सर्वोदयी नेता गोकुलभाई भट्ट के साथ मिलकर शराबबंदी के लिए चलाए गए अभियान में प्रमुख भूमिका निभाई थी। 1977 में वे सूरतगढ़ से जनता पार्टी से विधायक चुने गए थे। प्रदेश के सर्वोदयी तथा गांधीवादी आन्दोलन से उनका नजदीकी रिश्ता था। इससे पहले वर्ष 2014 के अप्रैल-मई में भी उन्होंने 45 दिन का अनशन किया था। इसके फलस्वरूप वसुंधरा राजे सरकार ने उनके साथ एक लिखित समझौता किया था कि शीघ्र ही एक सशक्त लोकायुक्त कानून तथा शराबबंदी के लिए कमेटी गठित की जाएगी और उस कमेटी की सिफारिशों को माना जाएगा, लेकिन लिखित वादे पर एक साल बाद भी क्रियान्वयन नहीं होने पर गुरुशरण छाबड़ा अनशन पर बैठ गए थे और इसी दौरान तबीयत खराब होने के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया था। जब प्रदेश में 2018 में कांग्रेस की सरकार आई तो सीएम ने इनके नाम से कई योजनाएं शुरू की।

शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष भारती SMS में भर्ती

सूरतगढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूजा भारती द्वारा 16 मई से अन्न त्याग के संकल्प के 51वें दिन बुधवार को भी उनका सत्याग्रह जारी रहा। पूजा भारती भारती का एसएमएस अस्पताल इलाज चल रहा हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर कैबिनेट मंत्री बीडी कल्ला छाबड़ा का हाल-चाल पूछने के लिए हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने पूजा भारती के स्वास्थ्य की जानकारी ली। पूजा भारती ने कहा कि सूरतगढ़ को जिला बनाया जाए और राज्य को नशा मुक्त बनाया जाए व शराबबंदी आंदोलन के लिए पूर्व में किए हुए वादे को लागू करें। कैबिनेट मंत्री बीडी कल्ला ने बताया कि आपकी यह सारी रिपोर्ट मैं मुख्यमंत्री तक पहुंचा कर शीघ्र ही इस विषय पर आपके साथ वार्ता करवाने का प्रयास करूंगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)